सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 231 | जौनपुर, शनिवार, 18 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

आरटीई के तीसरे चरण में 286 को स्कूल आवंटित

लखनऊ, संवाददाता। आरटीई के अंतर्गत तीसरे चरण की प्रक्रिया पूरी हो गई है। हुई तीसरे चरण की लॉटरी में 286 बच्चों को लाभ मिला। इन्हें विद्यालय आवंटित किए गए, जबकि 42 बच्चों को मायूसी हाथ लगी। वजह यह कि 11 बच्चों के आवेदन सत्यापन में निरस्त हो गए और 31 बच्चों को सीट फुल होने के कारण विद्यालय आवंटित नहीं हो सके। जल्द ही 286 बच्चों का दाखिला आवंटित स्कूलों में कराने के लिए आदेश जारी हो जाएगा। निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (आरटीई) के तहत निजी विद्यालयों में अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को प्रवेश दिया जाता है।

शैक्षिक सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए चार चरण तय किए गए। पहले और दूसरे चरण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। तीसरे चरण की प्रक्रिया अब पूरी हुई है। जिला समन्वयक डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि तीसरे चरण में 15 अप्रैल से 8 मई तक आवेदन प्रक्रिया चली, जिसमें 328 आवेदन आए। सत्यापन कार्य 9 से 15 मई तक कराया गया, जिसमें 11 आवेदन पत्र निरस्त हो गए। बाकी 317 आवेदनों को लॉटरी में शामिल किया गया। लॉटरी 16 मई को होनी थी, लेकिन तकनीकी खामियों के चलते अब लॉटरी निकली। इसमें 286 बच्चों को स्कूल आवंटित किए गए हैं, जिनका दाखिला आवंटित स्कूलों में कराने के लिए जल्दी ही आदेश जारी कराया जाएगा।

बिभव कुमार राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष नहीं हुए पेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ कथित बदसलूकी के सिलसिले में शुक्रवार को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के समक्ष पेश नहीं हुए। एनसीडब्ल्यू ने कुमार को सुबह 11 बजे आयोग के समक्ष पेश होने के लिए समन भेजा था। एनसीडब्ल्यू प्रमुख रेखा शर्मा ने कहा कि आयोग की एक टीम बृहस्पतिवार को कुमार को नोटिस देने उनके आवास पर गई थी, लेकिन वह घर पर नहीं थे।

शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, कुमार की पत्नी ने नोटिस लेने से इनकार कर दिया। मेरी टीम आज फिर पुलिस के साथ उनके आवास पर गई और अगर वह कल तक (एनसीडब्ल्यू के समक्ष) पेश नहीं होते हैं, तो हम पूछताछ करने के लिए व्यक्तिगत रूप से जाएंगे। पुलिस अधिकारियों ने बताया था कि सोमवार सुबह मालीवाल यहां सिविल लाइंस पुलिस थाने पहुंचीं और आरोप लगाया कि केजरीवाल के निजी स्टाफ के एक सदस्य ने मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर उन पर हमला किया। एनसीडब्ल्यू ने मीडिया में प्रकाशित उस खबर का स्वतः संज्ञान लिया जिसका शीर्षक था।

चीन के साथ व्यापारिक सौदों का आंकलन करना होगा -जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय कंपनियों को राष्ट्रीय सुरक्षा फिल्टर के माध्यम से चीन के साथ व्यापारिक सौदों का आकलन करना होगा और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध के बीच घरेलू निर्माताओं से अधिक सोर्सिंग करनी होगी। जयशंकर भारतीय उद्योग परिसंघ के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया में हिंसा में वृद्धि, युद्ध और प्रतिबंधों के कारण रसद में व्यवधान और ईंधन, भोजन का संकट और उर्वरकों ने मिलकर विश्व अर्थव्यवस्था के लिए एक परिपूर्ण तूफान पैदा कर दिया है। हालांकि जयशंकर ने अपने भाषण में चीन का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने सवाल-जवाब सत्र के दौरान अपने उत्तरी पड़ोसी के बारे में भारत की चिंताओं को संबोधित किया, जिसमें व्यापारिक सौदों में प्राकृतिक सुरक्षा संवेदनशीलता को संबोधित करने की आवश्यकता भी शामिल थी। चीन के साथ व्यापार पर एक सवाल के जवाब में कहा कि जहां चीन का संबंध है, हम अभी भी इस देश में लोगों को प्रोत्साहित करेंगे। हमने चीन के साथ काम करने वाले लोगों को पूरी तरह से प्रतिबंधित नहीं किया है, लेकिन स्पष्ट रूप से यदि आपके लिए कोई भारतीय विकल्प उपलब्ध है।

भाजपा सबका साथ सबका विकास पर विश्वास रखती - सीएम योगी

बांदा, संवाददाता। बांदा जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला किया। योगी ने बांदा की चुनावी रैली में कहा कि केजरीवाल जबसे जेल से बाहर आए हैं, उनकी बुद्धि फिर गई है। उन्होंने अन्ना हजारे के सपनों को तोड़ने का पाप किया है। सीएम योगी ने कहा, अन्ना के सपनों पर पानी फेरने वाले केजरीवाल अब मेरा नाम लेकर बातें कर रहे हैं। अन्ना ने जिस कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन किया था, केजरीवाल ने उसे ही अपने गले का हार बना लिया है। केजरीवाल ने भ्रष्टाचार से लड़ाई के दावे के साथ दिल्ली में सरकार बनाई थी। लिप्त हो गए हैं। अन्ना दुखी होते होंगे कि मेरे आंदोलन की उपज

देश, सनातन और हिंदू धर्म के लिए सत्ता ठुकरा सकता हूं लेकिन आज खुद भ्रष्टाचार में किस प्रकार की राजनीति करते हैं। आगे कहा कि केजरीवाल मेरा नाम लेने लगे हैं। मैं तो योगी हूं। मेरे लिए देश पहले है। मैं देश, सनातन व हिंदू धर्म के लिए एक बार नहीं बल्कि 100 जन्म लेकर भी सत्ता ठुकरा सकता हूं।

सपा-कांग्रेस गठबंधन नरकगामी और पाप का प्रतीक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा और कांग्रेस के गठबंधन पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि सपा-कांग्रेस का गठबंधन नरकगामी और पाप का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सपा के लोगों को जनसभा में जनता नहीं मिल रही, तो वह प्रेस कॉन्फ्रेंस तक सीमित हो चुके हैं। जनता भी कह रही है कि भैया आप लोग घर में ही ठीक हैं।

हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली

रांची, एजेंसी। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली। सोरेन ने ईडी की कार्रवाई और गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका दायर की है। चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत की भी गुहार लगाई है, लेकिन, जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि समयाभाव के कारण इस पर विस्तृत सुनवाई नहीं हो सकती। कोर्ट ने याचिका को अगले 21 मई को सुप्रीम कोर्ट की अवकाश पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

मोदी की झोली में जाने वाली हैं अमेठी और रायबरेली सीट - गृह मंत्री अमित शाह

अमेठी, संवाददाता। गांधी परिवार के गढ़ अमेठी में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आजादी

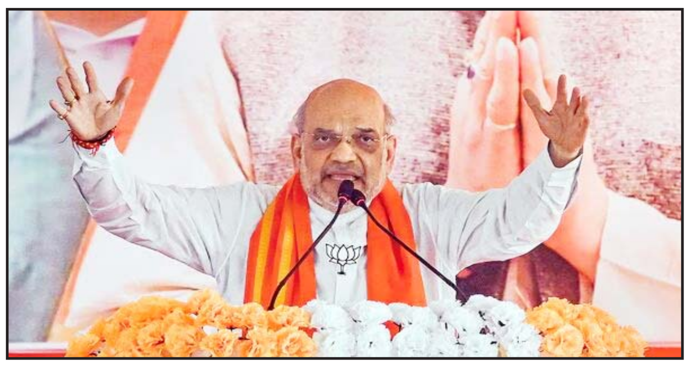

के 70 साल के बाद नरेन्द्र मोदी जी ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की है। ये कांग्रेस वाले कहते हैं कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ढंग से नहीं हुई। लेकिन, मेरी बात याद रखना अगर ये इंडी अलायंस वाले आ गए, तो ये राम मंदिर पर फिर से बाबरी ताला लगा देंगे। उन्होंने कहा कि ये कांग्रेस पार्टी और इंडी अलायंस परिवारवादी गठबंधन है। ये सिर्फ अपने परिवार की सोचते हैं। शाह ने कहा कि लालू जी अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, ममता जी अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं और सोनिया जी अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। वो कह रहे हैं कि रायबरेली और अमेठी की सीट हमारे परिवार की सीट हैं। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि इन्हें किसने विरासत में दी ये सीटें? उन्होंने हुंकार भरते हुए दावा किया कि मैं डंके की चोट पर कह रहा हूं कि अमेठी में स्मृति बहन और रायबरेली से दिनेश प्रताप जी जीतेंगे और ये दोनों सीटें मोदी जी की झोली में जाने वाली हैं। उन्होंने कहा कि मणिशंकर अय्यर और फारुख अब्दुल्ला कहते हैं कि ध्वज की बात मत करो, पाकिस्तान के पास एटम बम है। मैं आज यहां से कहकर जाता हूं।

बुंदेलखंड के तेज विकास के लिए, मैं आपका आशीर्वाद मांगने आया हूँ - पीएम नरेंद्र मोदी

हमीरपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि बुंदेलखंड के लोग राष्ट्रहित के लिए सबसे आगे खड़े होने वाले लोग हैं। जिसको 4 जून के नतीजे जानने हो, वो बुंदेलखंड के ये दृश्य देख लें। उन्होंने लोगों से कहा कि आज मैं आपको सपा और कांग्रेस से सावधान करने के लिए आया हूं। सपा-कांग्रेस आपका वोट तो ले लेते हैं, लेकिन सरकार में आने के बाद ये सौगात उनको बांटते हैं, जो उनके लिए वोट जिहाद करता है। उन्होंने कहा कि इस बार तो सपा-कांग्रेस ने चुनाव से पहले ही इरादे साफ कर दिए हैं। कांग्रेस कह रही है कि वो सबकी संपत्ति की जांच कराएगी। फिर वो आपकी संपत्ति में से एक हिस्सा, उनके लिए वोट जिहाद करने वाले वोटबैंक को दे देंगे। मोदी ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने धर्म के

आधार पर आरक्षण का घोर विरोध किया था और संविधान सभा ने भी तय किया था कि हमारे देश में कभी भी धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अब ये लोग संविधान बदलकर पूरा आरक्षण मुस्लिमों को देना चाहते हैं। मैंने समाजवादी पार्टी से कहा था कि आप तो पिछड़ों की राजनीति करते हो, पिछले दरवाजे से पिछड़ों का आरक्षण लूटने का जो जाल बिछाया जा रहा है, जरा उसका विरोध तो कीजिए। लेकिन ये सपा वाले मुंह पर ऐसा ताला लगाकर बैठ गए कि वो बोलने को भी तैयार नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे कल्याण सिंह जी देश के महान नेता थे, उन्होंने पिछड़ों का सम्मान बढ़ाया। लेकिन जब उनका निधन हुआ तो सपा के मुखिया उन्हें श्रद्धांजलि देने तक नहीं गए। हमारे कल्याण सिंह जी रामभक्त थे, उन्होंने राम मंदिर के लिए अपनी सरकार बलिदान कर दी थी। उन्होंने कहा कि अगर ये बाबू जी को श्रद्धांजलि देने जाते, तो इनका वोट बैंक नाराज हो जाता। वोटबैंक को खुश करने के लिए ये लोग क्या करते हैं? जब यूपी में एक माफिया की मौत होती है, तो ये उसकी कब्र पर फातिहा पढ़ने पहुंच जाते हैं।

हम सरकार बनाने के लिए काम नहीं करते, हम देश बनाने के लिए काम करते - राजनाथ सिंह

बलिया, संवाददाता। सपा को लोग समाप्तवादी पार्टी कह रहे हैं। 2014 में ही साइकिल की चेन उतर गई थी, जो 2017 और 2022 में भी नहीं चढ़ सकी। 2024 में भी नहीं चढ़ेगी। कांग्रेस को लोगों ने अब लुप्त पार्टी मान लिया है। जिस तरह से विश्व में डायनासोर समाप्त हो गए, ठीक उसी तरह कांग्रेस भी अब समाप्त हो रही है। उक्त बातें केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को गांधी इंटर कालेज के मैदान में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा में कहीं। उन्होंने कहा कि हम सरकार बनाने के लिए काम नहीं करते, हम देश बनाने के लिए काम करते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार हो या नरेंद्र मोदी की, सरकार ने देश के लिए बहुत कुछ किया। भारत के प्रति दुनिया में 2014 के पहले कंगाल भारत, गरीब भारत, कमजोर भारत के रूप में पहचान थी। कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत

बोलता है तो दुनिया सुनती है। कहा कि 2004 से पहले वाजपेयी की सरकार थी तो भारत की अर्थव्यवस्था देश में 11वें पायदान पर थी। 2004 से 2014 तक कांग्रेस की यूपीए सरकार रही। इन 10 वर्षों में भी भारत की अर्थव्यवस्था परिवर्तित नहीं हुई। 2014 से 2024 तक की 10 वर्षों की मोदी सरकार ने 56 इंच का सीना चौड़ा कर भारत की अर्थव्यवस्था को पांचवें पायदान पर लाने में सफलता अर्जित की। 2027 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि आजाद भारत में लंबे समय से मतदान करके आम नागरिक जागरूक हो चुका है। चार चरणों का चुनाव समाप्त होने के बाद भारत ही नहीं दुनिया के लोग मानने लगे हैं कि मोदी सरकार 400 पार करने जा रही है। राजनीति में मैंने कभी भी आंखों में धूल झोंकने का काम नहीं किया है। केंद्रीय रक्षामंत्री ने कहा कि हमने अनुच्छेद 370 खत्म करने का वादा किया था, पूर्ण किया। हम राम मंदिर बनाने की बात करते थे तो सपा और कांग्रेस कहती थी यह लोग सिर्फ राम मंदिर बनाने की बात करते हैं, लेकिन तारीख नहीं बताते हैं। हमने तारीख भी बताई और आज भव्य भगवान राम का मंदिर का निर्माण भी हो चुका है।

सत्तारूढ़ पार्टी 200 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी - मल्लिकार्जुन खड़गे

भुवनेश्वर, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को मौजूदा लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटें जीतने के भाजपा के दावों पर चुटकी लेते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी 200 सीटों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी। उन्होंने यहां गुरुवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, पीएम मोदी हर जगह 400 पार का नारा लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें इतनी सीटें कहां से मिलेंगी? बीजेपी की तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में कोई मौजूदगी नहीं है। कर्नाटक और महाराष्ट्र में इसकी संभावना 50-50 है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को यहां अधिक सीटें मिलती थीं, लेकिन अब कांग्रेस ओडिशा में भी आगे चल रही है। उन्होंने यह भी

दावा किया कि भाजपा केंद्र में कभी सरकार नहीं बना सकती, क्योंकि वह कई राज्यों में हार रही है। मुझे लगता है कि उन्हें 200 से अधिक सीटें नहीं मिल सकतीं। उन्हें रोकने और सत्ता से दूर रखने के लिए हमारे गठबंधन के पास पर्याप्त संख्या है। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि पीएम मोदी ने दो करोड़ नौकरियां देने या किसानों की आय दोगुनी करने के अपने वादे कभी पूरे नहीं किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की गारंटी का मतलब केवल पेट्रोल, डीजल, उर्वरक आदि की कीमतों में बढ़ोतरी है। खड़गे ने बाद में कंधमाल जिले के फुलबनी में एक जनसभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने भाजपा पर संविधान को नष्ट करके दलितों, पिछड़े वर्ग के लोगों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया। खड़गे ने राज्य के प्रत्येक ब्लॉक में 35 प्रतिशत कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहने के लिए ओडिशा में बीजद सरकार पर भी हमला बोला।

जो भ्रष्ट हैं उन्हें कोई नहीं बचा सकता - सम्राट चौधरी

बिहार, एजेंसी। बिहार के डिप्टी सीएम और बीजेपी नेता सम्राट चौधरी ने एक बार फिर से राजद और लालू यादव पर बड़ा वार किया है। 4 जून को लालू परिवार बेरोजगार हो जाएगा। दरअसल, 4 जून को लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आना वाला है। उन्होंने कहा कि यह सही है कि जो लोग भ्रष्ट हैं वे निश्चित रूप से भाजपा से डरते हैं। एक दम ठोक के जेल में डालूंगा। जो भ्रष्ट हैं उन्हें कोई नहीं बचा सकता। यह पीएम मोदी की गारंटी है कि केजरीवाल हों, हेमंत सोरेन हों या लालू प्रसाद हों, सभी को जेल में रहना होगा।

मैं अमेठी का था, हूं और रहूंगा, आपसे मोहब्बत भरा रिश्ता - राहुल गांधी

अमेठी, संवाददाता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र अमेठी में एक चुनावी रैली को संबोधित किया और एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री केवल यही चाहते हैं कि कुछ लोग अमीर बने रहें और बाकी लोग गरीब रहें। उन्होंने कहा कि जब मैं सिर्फ 12 साल का था, तब पहली बार अपने पिता के साथ अमेठी आया था। मैंने अपनी आंखों से अपने पिता और अमेठी के बीच मोहब्बत भरा रिश्ता देखा है। मेरी भी ऐसी ही राजनीति है। मैं अमेठी का था.. अमेठी का हूं और अमेठी का रहूंगा। राहुल ने कहा कि भाजपा के नेताओं ने साफ कहा है कि अगर वे चुनाव जीत गए तो संविधान बदल देंगे। अगर संविधान खत्म हो गया तो.. - PSU नहीं रहेंगे, नौकरियां नहीं रहेंगी, आरक्षण छीन लिया जाएगा, आपके सारे अधिकार खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि संविधान के बिना देश के

सिर्फ 22-25 अमीर लोगों के पास ही अधिकार रहेगा, बाकी सभी के हक छीन लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज कल नरेंद्र मोदी गोदी मीडिया को बहुत इंटरव्यू दे रहे हैं। एक कमरे में इंटरव्यू होता है, जहां दो-चार गोदी मीडिया के पत्रकार होते हैं। राहुल गांधी ने ऐसे इंटरव्यू में किसानों, मजदूरों, बेरोजगारी या महंगाई की बात नहीं होती। क्योंकि यह मीडिया नरेंद्र मोदी का है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी अगर देश के 22 अरबपति बना सकते हैं तो हम करोड़ों लखपति बनाएंगे। - गरीब परिवार की एक महिला को सालाना 1 लाख रुपया देंगे, किसानों का कर्जा माफ करेंगे, किसानों को डैंक की कानूनी गारंटी देंगे, मनरेगा में 400 रुपए की दैनिक मजदूरी देंगे, आशा, आंगनवाड़ी वर्कर्स को दोगुनी सैलरी मिलेगी। हम ये काम करने जा रहे हैं, मीडिया चाहे कुछ भी कहे.. हमें फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम अमेठी में फूड पार्क लेकर आए थे। फूड पार्क से अमेठी बदल जाती। यहां चिप्स, अचार, टोमैटो कैचअप जैसे फूड प्रोसेसिंग के कई कारखाने लगते। फूड पार्क से लाखों लोगों को रोजगार मिलता, लेकिन नरेंद्र मोदी ने वो आपसे छीन लिया। छक्क! की सरकार बनते ही मैं अमेठी में फूड पार्क लगवाऊंगा- ये मेरी गारंटी है। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि आज किसानों को रात-रात भर अपने खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है।

केजरीवाल की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ अरविंद केजरीवाल चुनाव प्रचार में हैं और 2 जून को उन्हें सरेंडर करना होगा। वहीं अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है। केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को गलत बताया है। केजरीवाल राहत के लिए ट्रायल कोर्ट का रुख कर सकते हैं। सभी पक्षों को अतिरिक्त हलफनामें के लिए एक हफ्ते का वक्त दिया गया है। याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई है। काफी दिनों की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने ये भी कहा है कि केजरीवाल चाहे तो जमानत याचिका ट्रायल कोर्ट में दाखिल कर सकते हैं। वहीं दूसरी तरफ महत्वपूर्ण घटनाक्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। यह कार्रवाई कथित उत्पाद शुल्क घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की चल रही जांच का हिस्सा है। ईडी के अधिकारी, विशेष लोक अभियोजकों के साथ, एक पूरक आरोपपत्र दायर करने के लिए दिल्ली राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे, जो दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में आठवीं ऐसी फाइलिंग है। यह आरोप पत्र, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पहला आरोप पत्र है, जिसमें उन्हें और आम आदमी पार्टी को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति के आसपास कथित अनियमितताओं में आरोपी के रूप में उल्लेख किया गया है।

संपादकीय

परेशानी के संकेत

यह चुनाव का समय है और एक नागरिक के रूप में व्यक्ति को विकल्प चुनना होगा और अधिकारों का प्रयोग करना होगा। सबसे पहले, किसी पार्टी या उम्मीदवार की पसंद पर निर्णय लेना होगा। दूसरा, किसी को यह तय करना होगा कि उसे वोट देने के अधिकार का प्रयोग करना है या नहीं। कोई भी वोट देने से बच सकता है. या नोटा बटन दबाकर कोई व्यक्ति किसी भी व्यक्ति को वोट नहीं दे सकता है। अंतिम चरण पर पहुंचने में कई चरण शामिल होते हैं। सभी जटिल निर्णयों की तरह, व्यक्ति मानसिक विश्लेषण करता है और उस निष्कर्ष पर पहुंचता है, जिसे इष्टतम समाधान कहा जा सकता है। किसी को उम्मीदवार की विचारधारा या उस पार्टी की विचारधारा, जिसका उम्मीदवार प्रतिनिधित्व करता है, व्यक्ति की व्यक्तिगत अखंडता, उम्मीदवार की संवाद करने की क्षमता और निर्वाचन क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं के बारे में व्यक्ति की जागरूकता पर ध्यान देना चाहिए। उम्मीदवार की राजनीतिक संबद्धता और राष्ट्र के भविष्य के निर्माण के लिए उस पार्टी का कार्यक्रम क्या है, इस पर विचार करना महत्वपूर्ण है। राजनीतिक विचारधारा एक जटिल, दिमागी चीज है जिस पर बुद्धिजीवी चर्चा और बहस करते हैं। हालाँकि, आम मतदाता के लिए यह बात मायने रखती है कि किसी पार्टी के कार्यक्रम उसके लिए क्या मायने रखते हैं। आमतौर पर, ये अल्पकालिक समस्याएं होती हैं जिनका एक मतदाता सामना करता हैय समस्याएँ जिनका समाधान आवश्यक है। उदाहरण के लिए, यदि मतदाता रोजगार के बारे में चिंतित है, तो कोई पार्टी रोजगार सृजन के बारे में क्या कहती है? या, यदि मतदाता एक व्यवसायी व्यक्ति है, तो पार्टी का कार्यक्रम या वादा की गई नीतियां व्यवसाय करने में आसानी के बारे में क्या कहती हैं? अंत में, मतदाता को यह जानने में भी रुचि हो सकती है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अपर्याप्त अवसरों, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की कमी, या लैंगिक भेदभाव की उपस्थिति जैसी सामान्य समस्याओं पर उम्मीदवार की पार्टी का क्या रुख है। विचारधारा के गहरे निहितार्थ भी हो सकते हैं, जैसे कि एक पार्टी विविधता और स्वतंत्रता के बारे में क्या सोचती है, धर्मनिरपेक्षता के बारे में, राष्ट्र के उस विचार के बारे में जिसे पार्टी प्रचारित करना चाहती है। ये सभी उल्लेखनीय रूप से महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, लेकिन बहुत कम मतदाताओं के पास इन मुद्दों पर अपनी स्थिति को समझने की क्षमता या कभी–कभी इच्छा भी होती है। विज्ञापन राजनीतिक चयन का एक अधिक स्पष्ट और शायद आसान पहलू उम्मीदवार के व्यक्तित्व गुणों का प्रयास करना और उनका आकलन करना है। क्या उम्मीदवार एक अच्छा संचारक है? क्या उस व्यक्ति की ईमानदारी के प्रति गहरी प्रतिष्ठा है? क्या व्यक्ति परिश्रमी है? क्या उस व्यक्ति को स्थानीय समस्याओं के बारे में जानकारी है और क्या कोई समाधान पेश किया जा रहा है? वह व्यक्ति उन समस्याओं को कितना महत्व दे रहा है जिन्हें मतदाता महत्वपूर्ण मानता है – जैसे कि नौकरी, आय और आजीविका से संबंधित मुद्दे? क्या इनके बारे में पर्याप्त जानकारी है? प्रत्यक्ष–कनेक्ट पुरस्कार भी हैं जो एक मतदाता अपनी पसंद को दे सकता है। उम्मीदवार ने कितनी बार इलाके का दौरा किया, दरवाजे पर आया, उपहार बांटने का प्रयास किया, या भविष्य के बारे में विशिष्ट वादे किए? कुछ मतदाता निंदक या इतने कठोर हो सकते हैं कि पैसे या यहां तक कि शराब के प्रतीकात्मक उपहार उन्हें किसी विशेष उम्मीदवार को वोट देने के लिए मनाने के लिए पर्याप्त हो सकते हैं। राजनीतिक दल कई कार्रवाइयां करके इन मुद्दों का समाधान करने का प्रयास करते हैं। आम तौर पर, पार्टी एक चुनावी घोषणापत्र प्रकाशित करती है जिसमें उसकी मौजूदा और भविष्य की उपलब्धियों, कार्यक्रमों और नीतियों का वर्णन होता है, और चिंता के विशिष्ट, महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसका रुख होता है। केवल मुट्ठी भर लोग ही इन दस्तावेजों को पढ़ते हैं। इसलिए, पार्टी घोषणापत्र के संक्षिप्त संस्करण और उम्मीदवार के संक्षिप्त अंगूठे के स्केच के साथ रैलियां, सार्वजनिक बैठकें और घर–घर अभियान आयोजित करती है। पार्टी कुछ स्टार प्रचारकों के साथ उम्मीदवार की दृश्यता को अधिकतम करने की कोशिश करती है। सीधा संपर्क मीडिया – प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सामाजिक – के उपयोग से पूरक होता है। मीडिया पार्टी और उम्मीदवार के बारे में नए आख्यान बनाने में मदद करता है, ऐसे आख्यान जो आम मतदाता की चिंताओं से जुड़े होते हैं। उपरोक्त विवरण चयन प्रक्रिया के सारगर्भित विश्लेषण पर आधारित है। हालाँकि, वास्तविकता में, निर्णय अत्यधिक अधूरी जानकारी, अपूर्ण आउटरीच तरीकों और उम्मीदवार और पार्टी के बारे में बहुत व्यक्तिपरक निर्णयों के आधार पर लिए जाते हैं। अधिकांश मतदाताओं की किसी पार्टी के प्रति पूर्वनिर्धारित पसंद या नापसंद होती है। यह एक फुटबॉल क्लब को समर्थन देने जैसा है।श किसी को सटीक कारण नहीं पता लेकिन जुड़ाव गहरा है, इस हद तक कि यह पूरी तरह से तर्कहीन है। इसे ही ध्रुवीकृत मतदाता कहा जाता है। ऐसी स्थिति में, उम्मीदवार अप्रासंगिक होता है और पार्टी सर्वोच्च होती है, या कभी–कभी एक मजबूत नेता ही एकमात्र विचार होता है, जैसा कि इंदिरा गांधी और अब नरेंद्र मोदी के साथ हुआ था। कट्टर मार्क्सवादी समर्थकों के लिए पार्टी महत्वपूर्ण है, पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाला व्यक्ति उतना महत्वपूर्ण नहीं है। एक बार जब पार्टी, या प्रतिष्ठित नेता की पहचान हो जाती है, तो उस पार्टी के कार्यक्रमों और नीतियों को राष्ट्र के लिए आवश्यक रूप से अच्छा माना जाता है। ये अत्यधिक प्रतिबद्ध मतदाता हैं। भारत में उम्मीदवार की प्रासंगिकता कम हो गई है।

भारत के लोकतंत्र में विचारों का बाजार कम होने लगा

आदित्य

एक आदर्श स्थिति में, लोकतंत्र को विचारों की प्रतियोगिता होना चाहिए, जनसंपर्क प्रतियोगिता नहीं। चुनावी मौसम में भारत के लिए समस्याओं का समर्थन करने वाली योजनाओं, घोषित प्राथमिकताओं और प्रस्तावित समाधानों के साथ जानकारीपूर्ण बहसों और कड़े प्रतिस्पर्धी विचारों का बाजार शुरू होना चाहिए। इसमें स्पष्ट रूप से सभी के लिए बोलने की स्वतंत्रता, सभी प्रतिस्पर्धी पक्षों के विचारों के लिए एक समान स्थान, तथ्य–जांच संस्कृति और विभिन्न दलों के घोषणापत्रों में किए गए वादे के अनुसार ष्छायाष योजनाओं का विस्तृत मूल्यांकन शामिल होगा। प्रस्तावित मार्ग के नट और बोल्ट को पूरी तरह से स्पष्ट किया जाना चाहिए और मीडिया के एक तरफा अपहरण, कुतर्क, स्पिन–डॉक्टरिंग, विक्षेप, या भय फैलाने पर अंकुश लगाया जाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घटक बाजार का आकलन करने में सक्षम हैं। विचार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष। लेकिन क्या सचमुच दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में ऐसा है? संक्षिप्त जवाब नहीं है। विश्व स्तर पर,

लोकतंत्र व्यक्तियों और वंशवादी पंथों, निराधार वादों और लोकतंत्र के साथ अनूठे भारतीय प्रयोग के साथ जनसंपर्क अभ्यास में मुफ्त और आरक्षण के अस्थिर वादों के साथ पीछे हट रहे हैं। विडम्बना यह है कि एजेंडा जितना अधिक पीछे जाएगा, आकर्षण उतना ही अधिक होगा! 1971 के चुनाव अभियान में षरीबी हटाओष (गरीबी हटाओ) इंदिरा गांधी के अभियान का विजयी नारा था (और 5 वीं पंचवर्षीय योजना का भी हिस्सा था)। उसके लगभग 55 साल बाद, कई दशक कांग्रेस पार्टी के नाम रहे और पिछले 25 वर्षों में से लगभग 15 साल भाजपा के पास रहे, 800 मिलियन से अधिक भारतीय मुफ्त खाद्य पदार्थों पर जीवित हैं। प्रधानमंत्री कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) में केवल शब्दार्थ बदल गया है। पिछले ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत को 125 देशों में से 111वें स्थान पर रखा गया था, लेकिन जैसा कि होता है जब भी कुछ अप्रिय बात सामने आती है, तो सरकार ने तुरंत इस रिपोर्ट पर दुर्भावनापूर्ण इरादों के साथ शरारती के रूप में हमला किया। एक महिला मंत्री ने रिपोर्ट कार्यप्रणाली को गैलप से एक फोन कॉल आने और उनसे पूछा गया क्या आप भूखे हैं? को जिम्मेदार ठहराया, और बाद में मजाक उड़ाया कि अगर उनसे व्यस्त दिन में यह सवाल पूछा गया होता, तो उन्होंने भी कहा होतारू ष्ओह हाँ , मैं हूँ। व्यंग्य को छोड़ दें, तो भूख सूचकांक की गणना इस तरह नहीं की जाती है और पक्षपात से परे क्रूर वास्तविकता यह है कि सामूहिक रूप से सभी सरकारें, चाहे वह कांग्रेस के नेतृत्व वाली या भाजपा के नेतृत्व वाली हों, भारत को विफल कर चुकी हैं, भले ही घटक स्वयं अभी भी अपनी राजनीतिक पूजा करते हों नेता, जैसा कि केवल भारतीय करते हैं। उच्च–डेसिबल चुनावी द्वंद्व निराधार आक्षेपों, भावनात्मक भय और षनिर्मित आक्रोशष से भरे हुए हैं, जबकि सार्थक सामग्री भयावह रूप से कम है। बहुसंख्यकवाद की हवा ने एक खेदजनक ष्हम–बनाम–वेष विमर्श को जन्म दिया है जो कुछ समुदायों (वे क्या खाते हैं, कैसे कपड़े पहनते हैं, वे स्पष्ट रूप से भारत के लिए क्या चाहते हैं, आदि) के संकेत के साथ लापरवाही से और ध्रुवीकरण तरीके से प्रकट होते हैं। सामाजिक–आर्थिक संकट, कृषि संकट और घायल समुदायों (जैसे कि मणिपुर) की सीमा के साथ – ष्मंगलसूत्रष्, विरासत कर, मांसाहारी भोजन, आदि पर चर्चा करना काफी समृद्ध और पूरी तरह से अक्षम्य है। नेतृत्व की दौड़ इस बात से तय नहीं होती है कि कौन अधिक योग्य, समझदार, राजनेता और चुनौतियों को स्वीकार करने वाला है, बल्कि इससे तय होता है कि कौन अधिक धार्मिक रूप से पवित्र है, अधिक देशी (प्रगतिशील नहीं) है, या लौकिक ष्अन्यष के प्रति अधिक आक्रामक है। विपक्ष के पास षविचारोंष के संदर्भ में कोई ताजा विकल्प नहीं है और वह केवल अपने क्षेत्रों में वंशवादी आग्रहों और क्षेत्रीयध्जातीय वर्चस्ववाद के संयोजन के साथ ष्आगे बढ़नेष या बीसवीं या उन्नीसवीं शताब्दी की स्क्रिप्ट से मेल खाने की कोशिश करता है। अधिक देशभक्त, पवित्र और मूल रूप से मानवीय प्रवृत्ति के आधार पर आकर्षक होने का दिखावा करने के निरर्थक नाटक के बीच, देश तेजी से भूखा, क्रोधित और अधिक विभाजित होता जा रहा है। शुरुआत के लिए, इस बात पर कोई जोर नहीं है कि राजनेता अत्यधिक व्यक्तिगत गारंटी के अलावा कोई ठोस योजना दिखाएं। सभी पक्षों द्वारा तथ्य, विवरण और सोची–समझी ष्योजनाएँष सामने क्यों नहीं रखी जा सकतीं? राजनेता छाया बजट और छाया कैबिनेट की झलक क्यों नहीं पेश कर सकते? ष्छायाष (प्रस्तावित) के साधन नागरिकों को सूचित करेंगे कि विभिन्न विकल्पों का स्वरूप, कार्य और दिशा क्या है? यह विभिन्न क्षेत्रों और क्षेत्रों के लिए बजटीय आवंटन दिखाने के मामले में अपना पैसा वहीं लगाने के समान होगा (हर जगह आसान वादे करने के बजाय, जिन्हें कभी भी सम्मानित करने का इरादा नहीं होता है, अन्यथा उन्हें जुमला कहा जाता है)। चिल्लाने के बजाय, विपक्ष अपने वैकल्पिक दृष्टिकोण और आवंटन को अपने छाया बजट में रखकर यह प्रदर्शित कर सकता है।

चुनावी मौसम में गन्ना किसानों की गुहार

आसिफ

देश 18वीं लोकसभा के लिए सांसद चुनने में लगा हुआ है। हर पार्टी लुभावने वादों से मतदाताओं को रिझाने में लगी है। मगर कृषि प्रधान इस देश में कोई भी पार्टी किसानों के संकट दूर करने की बात नहीं करती। कुछ पार्टियों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की बात की है, पर फसल की लागत कैसे तय की जाएगी, इस पर कोई चर्चा नहीं है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश में करीब पांच करोड़ गन्ना उत्पादक किसान परिवार हैं और देश की आबादी का लगभग पांचवां हिस्सा गन्ना उगाने से जुड़ा है, पर उनकी गुहार कोई नहीं सुनता। हालांकि उत्तर प्रदेश के पीलीभीत की सभा में प्रधानमंत्री ने गन्ना की बात की और कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री ने गन्ना किसानों के लिए बहुत कुछ किया है, जिससे किसानों का जीवन बहुत बेहतर हो गया। गन्ना किसानों का जो भी भला हुआ है, वह उच्च और सर्वोच्च न्यायालय के माध्यम से हुआ है। उच्चतम न्यायालय ने गन्ने का रेट (एसएपी) निर्धारित कराने का अधिकार दिया, नहीं तो किसानों को एक तरफ केंद्र द्वारा निर्धारित गन्ना मूल्य मिलता और दूसरी तरफ मिल द्वारा 1996 से 2020 तक दी गई पर्चियों के कारण किसानों को प्रति एकड़ लगभग चार से पांच लाख रुपये मिलों को लौटाना पड़ता, क्योंकि हर पर्ची पर लिखा था कि लेन–देन सुप्रीम कोर्ट के अंतिम आदेश के आधार पर होगा। मिल मालिक राज्य और केंद्र सरकार द्वारा घोषित गन्ना रेट का फर्क हर किसान से वसूलते। यूपी में गन्ना रेट की लड़ाई 1996–97 के गन्ना सत्र में शुरू हुई, जब यहां भाजपा व बसपा की सरकार थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मिल मालिकों की रिट याचिकाध्में 11 दिसंबर,1996 को आदेश देकर राज्य सरकार को गन्ना का रेट तय करने से मना कर दिया था, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक नहीं लगाई थी। संविधान पीठ के फैसले से राज्य सरकार को रेट तय करने का अधिकार मिला। संविधान पीठ ने पांच मई, 2004 को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ की रिट याचिका 1997 को बरकरार रखा, जिसमें किसानों को विलंब से गन्ना मूल्य मिलने पर ब्याज देने को कहा ध्था। सरकार ने ब्याज देने का आदेश तो जारी किया, लेकिन जब किसानों को ब्याज का पैसा नहीं मिला, तो किसान मजदूर संगठन ने 2006 में रिट याचिका दाखिल की और किसानों को 1996 से अब तक का ब्याज दिलवाने की गुजारिश की। किसानों ने अंतर मूल्य देने के लिए रिट याचिका दाखिल की। एक सोसाइटी एक रेट और एक मिल एक रेट के आधार पर पेराई सत्र 2009–10 में राज्य सरकार द्वारा घोषित 165 रुपये प्रति क्विंटल के बजाय आखिरी पर्ची पर 260 रुपये मिला। 2011–12 के गन्ना मूल्य एवं विलंब पर ब्याज देने के लिए रिट याचिका 6429/2012 दाखिल हुई थी। एक मई, 2024 को चार याचिकाएं हाईकोर्ट में लगी थीं। सरकार ने अपने जवाब में ब्याज एवं अंतर मूल्य देने से इन्कारध्कर दिया। मिल मालिकों के अधिवक्ता ने कहा, अगर किसानों को 1996 से ब्याज देंगे, तो मिलें बंद हो जाएंगी। हाईकोर्ट ने सरकार से 1996–97 से आजतक का गन्ना भुगतान, जिसमें विलंब होने पर ब्याज का भुगतान भी शामिल है, का पूरा ब्योरा मांगा है। अगली सुनवाई 27 मई को होगी। वर्ष 2014 में जब हाईकोर्ट ने भुगतान के विलंब पर ब्याज देने का आदेश दिया, लेकिन मिल मालिकों की अर्जी पर तत्कालीन सरकार ने 2012–15 तक का ब्याज माफ कर दिया था, जिसे हाईकोर्ट ने 2017 में खारिज कर दिया और गन्ना आयुक्त को चार महीने में इसका फैसला करने के लिए कहा। जब गन्ना आयुक्त ने एक साल तक कुछ नहीं किया, तो उच्च न्यायालय ने गन्ना आयुक्त को तलब किया, उसके बाद 2019 में आयुक्त ने फैसला दिया कि घाटे में चल रही मिलें सात फीसदी और बाकी मिलें 12 फीसदी ब्याज देंगी। आज तक किसानों को यह पैसा नहीं मिला है। दिसंबर 2022 में जब हाईकोर्ट ने कड़ा रुख लिया, तो राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दे दी। यह अर्जी भी सरकार ने उस याचिका में लगाई, जिसमें सरकार द्वारा गन्ना भुगतान के विलंब पर ब्याज माफ करने के अधिकार को चुनौती दी थी। राजनीतिक पार्टियां इस तरह वादे करती हैं, पर वास्तविकता कुछ और होती है। क्या किसानों को अंततः अपनी नई पार्टी बनाने से ही न्याय मिलेगा?

जैव विविधता का मूल्य समझना अब समय की मांग

विनोद

जैव विविधता के गॉडफादर के रूप में लोकप्रिय अमेरिकी पारिस्थितिकी विज्ञानी थॉमस ई. लवजॉय की एक मार्मिक टिप्पणी है, जैविक विकास की अंतिम विडंबना यह हो सकती है कि मनुष्य के मस्तिष्क के माध्यम से आत्म–समझ प्राप्त करने के तुरंत बाद जीवन ने अपनी सबसे सुंदर रचनाओं को नष्ट कर दिया होगा। जीवन की विविधता के मूल में एक मूलभूत सत्य निहित है जगत में सबकुछ अंतर्संबंधों से बंधा है। जैव विविधता जीवन के स्थायित्व और चिरंजीविता के केंद्र में है, किंतु जैव विविधता के योग से भी परे अस्तित्व से आलोक से सराबोर जीवन स्वयं में नैसर्गिक विकास (इवोल्यूशन) की एक मनोरम गाथा का प्रतीक है। जैव विविधता ही जीवन की नैया की खेवनहार है। जितनी अधिक जैव विविधता, उतना ही अधिक जीवन का उत्कर्ष, उतना ही प्रबल जीवनगामी पृथ्वी का ब्रह्मांड में साम्राज्य। जैव विविधता जीवन की शाश्वतता की अनंत कथा है। जैव विविधता प्रकाश की जीवंत कहानी है, जिसे सूर्य का प्रकाश प्रकाश–संश्लेषण के माध्यम से जीवन ऊर्जा के अनंत रूपों में खिलकर आकाशगंगाओं को सुनाता है। प्रकाश की सृजनात्मक क्षमता असीमित है। पेड़–पौधों के पर्णहरित से अठखेलियां कर प्राकृतिक विकास के नवाचारों के झरोखे खोलता प्रकाश अनंत जीवों और पारिस्थितिक तंत्रों को निरंतर पोषित करता है। जीवन कथा को अमर बनाए रखने के लिए समय की धारा के साथ नई प्रजातियां और उनके आनुवंशिक रूप जीवन को समृद्धि और आनंद का उपहार देते रहते हैं। एक बहती नदी के समान ऊर्जा जीवन के विभिन्न माध्यमों से स्वयं को अभिव्यक्त करती है। पदार्थ निष्क्रिय होता है, ऊर्जा क्रियाशील। पदार्थ की क्रिया शीलता ऊर्जा के कारण ही होती है। संपूर्ण ब्रह्मांड की गतिशीलता का स्रोत ऊर्जा ही है। मुक्तावस्था में ऊर्जा विध्वंसक रूप ले सकती है, जिसे एन्ट्रॉपी कहते हैं। असंख्य जीव– वाहिकाओं में प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से प्रवेश कर सौर ऊर्जा एक रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदर्शित करती है। सभी जीवधारियों का व्यवहार और उनके कार्य– कलाप उसी ऊर्जा की रचनात्मक अभिव्यक्तियां हैं। मुक्तावस्था में यही ऊर्जा अराजक हो सकती थी। ऊर्जा जीवन की जितनी विविधता में क्रियाशील होगी, उतनी ही सृजनशीलता और संतुलन की अवस्था में होगी। इसी प्रकार, पृथ्वी की भी ब्रह्मांड के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका है। ब्रह्मांड की एन्ट्रॉपी को नियंत्रित कर एक ब्रह्मांडीय संतुलन स्थापित करना ही जैव विविधता–भरी पृथ्वी का अनुष्ठान है। पृथ्वी पर जीवन केवल पृथ्वी का ही नहीं, ब्रह्मांड का एक उपादान है। पृथ्वी का उदय ब्रह्मांड के विकास की अनवरत यात्रा का एक लक्ष्य रहा होगा। ब्रह्मांड में शबिग बैंगश की घटना से कालांतर में पृथ्वी–रूपी अमृत निकला, जैव विविधता जिसकी बूंदें हैं! ऐसे परिदृश्य पर विचार करें, जहां जीवन केवल एक ही प्रजाति के रूप में हो। ऐसा जीवन निरा अनिश्चित–सा होगा और ऐसी दशा में पृथ्वी कभी भी दुर्भिक्ष या किसी महामारी के कारण जीवन–विहीन हो सकती है। जीवों की घनी विविधता ने ऐसी संभावनाओं को क्षीण कर दिया। जीवन की स्थिरता, गतिशीलता और निरंतरता उसकी विविधता पर निर्भर है। जैव विविधता जीवन को जलवायु संबंधी अनियमित ताओं के प्रति लचीला बनाती है और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम जीव समुदायों को पोषित करती है। विविधता स्वयं जीव समुदाय के लिए अस्तित्व का कारक है। जैव विविधता का समृद्ध भंडार जैव–रासायनिक चक्रों की निरंतरता सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त, जैव विविधता पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखती है और जैवमंडल के जीवन–निर्वाह को संरक्षित करती है। जैव विविधता हमारे जिंदा ग्रह को जीवन–शक्ति प्रदान करती है। इस अद्भुत विविधता के जागरूक प्रबंधक के रूप में आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन

के बहुरूप दर्शन को संरक्षित करना हमारा परम दायित्व है। पारिस्थितिक दार्शनिक हेनरिक स्कोलिमोस्की ने अस्तित्व संरक्षण के लिए जैव विविधता के आंतरिक मोल पर जोर देते हुए मानवता और प्रकृति के बीच गहन अंतर्संबंध को गहराई से स्पष्ट किया है। जीवों के पारस्परिक तालमेल और मानव सहित संपूर्ण जीवन के अस्तित्व के लिए जैव विविधता जीवन के मूल सार का प्रतीक है। जैव विविधता जीवन की रचनात्मकता की असंख्य अभि व्यक्तियों को दर्शाती है, जिसमें प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्र और आनुवंशिक विविधता का समृद्ध स्पेक्ट्रम सम्मिलित है और जो हमारे ग्रह पर स्वयं हमारी प्रजाति के अस्तित्व के पहले से निवास करते हैं। स्कोलिमोस्की की पारिस्थितिक दर्शन की अंतर्दृष्टि हमें जैव विविधता को केवल दोहन किए जाने वाले संसाधन के रूप में नहीं, वरन एक पवित्र विरासत के रूप में समझने के लिए प्रेरित करती है। सूक्ष्म जीव से लेकर विशालकाय रेडवुड तक, प्रत्येक जीव पारिस्थितिक संतुलन और स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए जीवन की जटिल प्रक्रियाओं में योगदान देते हैं।

चौथे चरण के बाद सीटें जीतने का 'माइंड गेम' तेज

ललित

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान के बाद मटन, मंगलसूत्र और पाकिस्तान जैसे मुद्दों के बाद जीतने वाली सीटों की संख्या का 'माइंड गेम' हावी होता दिख रहा है। इसकी शुरुआत तो सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में इस घोषणा के साथ की थी, कि इस चुनाव में भाजपा 370 तथा एनडीए 400 पार सीटें जीतेगी। तब बहुत से लोगों ने इसे दंभोक्ति के रूप में लिया था। भाजपा और एनडीए सचमुच यह आंकड़ा पार कर पाते हैं या नहीं, यह तो 4 जून को ही पता चलेगा, लेकिन चुनाव में जीत की मनोवैज्ञानिक बढ़त की नींव उसी वक्त रख दी गई थी।

आखिर भाजपा को 400 पार क्यों चाहिए?

जब विपक्ष को देर से यह चाल समझ आई तब उसने पलटवार किया कि आखिर भाजपा को 400 पार चाहिए क्यों? कहा गया कि भाजपा संविधान बदलने के लिए ऐसा चाहती हैं। हालांकि ज्यादातर लोगों के लिए संविधान का मतलब आरक्षण ही है और जब यह कहा जाने लगा कि भाजपा दरअसल आरक्षण व्यवस्था खत्म करने के लिए 400 पार सीटें चाहती हैं, तो भाजपा को समझ आया कि उसका नारा बूमरेंग हो रहा है, जो आत्मविश्वास का परिचायक कम और विघातक ज्यादा हो सकता है। जाहिर है ऐसे में ताबड़तोड़ तरीके से विपक्ष के नरेटिव की काट यह कहकर ढूंढी गई कि वह हिंदुओं में ओबीसी, दलित और आदिवासियों का आरक्षण खत्म कर मुसलमानों को देना चाहता है। जबकि हकीकत यह है कि इस देश में मुसलमानों में भी करीब 41 फीसदी आबादी ओबीसी की है और वह ओबीसी आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था में पहले से आरक्षण की हकदार है।

फर्क इतना है कि यह आरक्षण उन्हें जाति के आधार पर मिला है न कि धर्म के आधार पर। आरक्षण पर भाजपा के इस पलटवार और देश में चौथे चरण के साथ कुल 543 में से 380 सीटों पर मतदान के बाद हार जीत के नए कयास और गणित लगाए जा रहे हैं। अगर भाजपा के दावों को सही मानें तो तुलनात्मक रूप से वो चार चरणों के बाद सरकार बनाने के करीब दिखती है, जबकि विपक्षी दलों का मानना है कि भाजपा हवा में है। चुनाव की जमीनी हकीकत दूसरी है वोटर भाजपा के अहंकारी शासन से परेशान है और चुनाव में उसे हराकर अपनी नाराजगी का इजहार करेगा। लेकिन मामला इतना भी आसान नहीं है। क्योंकि इस देश का मतदाता मौजूदा सरकार को क्यों बदलना चाहता है, इसका भी कोई ठोस कारण उभरकर नहीं आ रहा है, सिवाय महंगाई, बेरोजगारी, जल संकट इत्यादि परंपरागत मुद्दों के। बहरहाल चौथे चरण के मतदान बाद विपक्षी इंडिया गठबंधन की ओर से सीटों की जीत के जो दावे हो रहे हैं, उन पर जरा नजर डालें। देश में सत्ता परिवर्तन का दावा करने वाला इंडिया गठबंधन 466 सीटों पर तो सत्ता में तीसरी बार वापसी का दावा करने वाला भाजपानीत एनडीए कुल 541 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है। इंडिया गठबंधन में भी दो तरह के गठबंधन हैं। एक राष्ट्रीय स्तर पर है और दूसरा क्षेत्रीय स्तर पर है, जिसमें राज्यवार क्षेत्रीय व राष्ट्रीय पार्टियां 233 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। इंडिया गठबंधन में प्रमुख पार्टी कांग्रेस है, जो खुद 328 सीटों पर ही लड़ रही है, जबकि एनडीए में मुख्य पार्टी भाजपा है, जो खुद 441 सीटों पर चुनाव मैदान में है। अब चौथे चरण के बाद भाजपा अपने दावों पर कायम है, तो इंडिया गठबंधन के खुद की जीत से ज्यादा भाजपा को हराने के दावे हैं। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा नतीजों में 200 से भी कम सीटों तक सिमट जाएगी और इंडिया गठबंधन 315 सीटों पर जीतेगा। शिवसेना (ठाकरे) गुट के उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि इंडिया गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी का दावा है कि इंडिया गठबंधन अकेले यूपी में 50 से ज्यादा जीतेगा तो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'राजनीतिक जोक' के अंदाज में दावा किया कि यूपी में इंडिया गठबंधन 80 में से 79 सीटें जीतेगा केवल एक सीट (वाराणसी) 'मुकाबले' में है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की 140 करोड़ जनता भाजपा को 140 सीटों तक समेट देगी। यह शायद मोदी द्वारा 370 सीटें जीतने के दावे का अखिलेशी जवाब था। यानी आंकड़ों की तुकबंदी।

बढ़ी भाजपा नेताओं की टेंशन

सबसे हैरानी भरा दावा तो बिहार के सीएम नीतीश कुमार का रहा। उन्होंने एक सभा में मंच से पहले तो चार लाख फिर चार हजार और बाद में एनडीए के चार सौ सीटें जीतने की बात कही। हालांकि लोगों ने उनकी बढ़ती उम्र के मद्देनजर इसे जबान फिसलना मानकर अनदेखा किया। इसके अलावा चौथे चरण के मतदान के पहले जेल से छूटे अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर एक 'फार्मूला बम' फोड़ा कि लोकसभा चुनाव के बाद मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। वजह 75 पार का वो फॉर्मूला है, जो उन्होंने पिछले चुनाव में पार्टी के ही कुछ दूसरे नेताओं को 'निपटाने' के लिए लागू किया था। केजरीवाल ने यह भी दावे से कहा कि अगले पीएम अमित शाह होने वाले हैं। केजरीवाल को यह जानकारी कहां से मिली पता नहीं, लेकिन इससे दावे से भाजपा में अंदरखाने जरूर खलबली मच गई। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तत्काल इसका खंडन किया कि वह तथाकथित अघोषित फार्मूला मोदी पर लागू नहीं होता। वो 2024 ही नहीं, 2029 में भी प्रधानमंत्री बनेंगे। यानी यह सीटें जीतने के माइंड गेम की नई चाल है। इस दावे ने विपक्ष से ज्यादा उन भाजपा नेताओं का टेंशन जरूर बढ़ा दिया है।

जेसीआई चेतना ने अल्फाबेट स्कूल में पांच दिवसीय समर कैंप का किया आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर। जेसीआई चेतना संस्था

अध्यक्ष मीरा अग्रहरी तथा स्कूल प्रबंधक आशीष श्रीवास्तव ने समर कैंप का आयोजन करवाया। समर कैंप बच्चों के स्किल डेवलप करने के लिए काफी फायदेमंद है इसलिए बच्चों को स्कूल समर कैंप में कई तरह की एक्टिविटीज कराई गई जिससे बच्चों का हिडन टैलेंट बढे और आउटडोर गेम तथा इंडोर गेम भी कराया गया जिससे बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल बढ़ सके। इस समर कैंप में बच्चों ने बहुत सारे मैनर भी सीखाए गए तथा ताइक्वांडो ट्रेनर अमन डोगरवाल ने समर कैंप में बच्चों को गुड टच तथा बैड टच और सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी। समर कैंप में बच्चों ने पूल पार्टी भी की और यह सीखा की मस्ती के साथ–साथ उन्हें स्वच्छता पर भी ध्यान देना चाहिए। पांच दिवसीय समर कैंप में हर रोज चेतना सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दी इस कैंप में सचिव वंशिका सिंह, कोसाध्यक्ष मीना गुप्ता, चंदा बरनवाल, पूजा श्रीवास्तव, माधुरी, मल्लिका जायसवाल, शोभावती, आकांक्षा श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रही।

समर कैंप में बच्चे सीख रहे शिक्षण की नई एक्टिविटी

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना) मंगली पुरवा स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल मैं तीन दिवसी समर कैंप का आज दूसरा दिन था जिसमें बच्चों ने विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। समर कैंप में बच्चों को कई प्रकार की गतिविधियों और क्रियाकलापों से ज्ञान वर्धन किया गया बच्चों ने रोचक गतिविधियों में पूरे हर्षोल्लाह के साथ प्रतिभा किया

समर कैंप के दूसरे दिन बच्चों के द्वारा कबड्डी, खो– खो, अंताक्षरी ,मेहंदी , चेस, डिवेट, जंक फूड व हेल्दी फूड, म्यूजिकल चेयर, बैडमिंटन, जीके आदि प्रतियोगिताओं में सभी बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंह ने बताया है कि विद्यालय के बच्चों को शिक्षण सरल भाषा में एक्टिविटी के साथ–साथ अन्य गतिविधियां सीखा कर दक्ष बनाया जा रहा है। बच्चे भी खेल–खेल में विभिन्न एक्टिविटी सिख समर कैंप में खुशी से चहक रहे हैं।

विद्यालय के व्यवस्थापक अखिलेश सिंह ने बताया कि समर कैंप के दौरान बच्चों को ज्ञानवर्धक गतिविधियों से परिचित कराया जाता है जिसमें बच्चे भी पूरे जोश के साथ हिस्सा लेते हैं ।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य लक्ष्मी देवी शिक्षिका विनीता त्रिवेदी ,अर्पिता सिंह ,कविता गुप्ता ,नीलम राठौर ,कोमल यादव, सोनम शुक्ला ,खुशबू श्रीवास्तव, पूजा, आरती वर्मा ,स्वाति अवस्थी ,रेखा रानी

शिक्षक राम प्रकाश पांडे ,देवेश प्रसाद, संजय गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता, अमन शुक्ला ,शुभम सिंह आदि मौजूद रहे।

राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में ब्लड प्रेशर पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

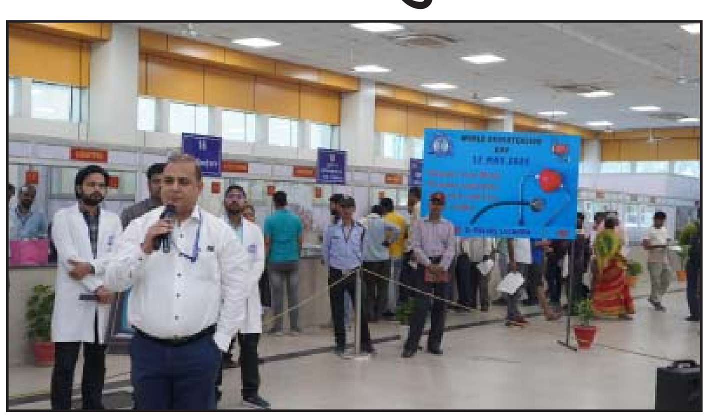

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। ब्लड प्रेशर से बचाव और नियंत्रण के महत्व पर राम मनोहार लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन ,डिपार्टमेंट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर एवम थोरेसिक सर्जरी और डिपार्टमेंट ऑफ कार्डियोलॉजी के संयुक्त प्रयासों से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

संस्थान के निदेशक डॉक्टर सी एम सिंह ने सभी को ब्लड प्रेशर की जाँच का महत्व बताते हुए कहा कि जीवन शैली में कुछ छोटे छोटे बदलाव करके हम सभी इस गंभीर समस्या से बच सकते हैं , उनके द्वारा सभी को प्रतिदिन ३०–४० मिनट तेज तेज टहलने(ब्रिस्क वाक), जंक फूड से स्वयं बचने और अपने बच्चों को बचाने , कम नमक का सेवन करने, और मोटापे को नियंत्रित करने की सलाह दी गई । उन्होंने सभी को अवगत कराया की किस प्रकार से यह बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर व्यक्ति के महत्वपूर्ण अंगों जैसे कि दिल, दिमाग , किडनी और अन्य अंगों को नुक्सान पहुंचाता है ।

संस्थान के कार्डियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ भुवन चन्द्र तिवारी ने सभी को ब्लड प्रेशर की जाँच अवश्य कराने का सुझाव दिया और ब्लड प्रेशर बढ़ा होने पर नियमित दवाई का सेवन करने और डॉक्टर की सलाह को अवश्य मानने का सुझाव दिया ।

कम्युनिटी मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डॉ सुनील दत्त कांडपाल के द्वारा ब्लड प्रेशर के नियंत्रण हेतु शारीरिक हेल्थ के साथ मानसिक स्वास्थय की उपयोगिता पर चर्चा की गई और उन्होंने सभी को योग एवं मैडिटेशन को अपनी जीवन शैली में सम्मिलित करने का सुझाव दिया ।

अंत में संस्थान के निदेशक डॉक्टर सी एम सिंह ने डॉक्टर भुवन तिवारी से सभी के समक्ष अपना ब्लड प्रेशर चेक करवाया और इस तरह सभी को नियमित रूप से अपनी जांच कराने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम के उपरांत सभागार में उपस्थित २०० से अधिक व्यक्तियों की ब्लड प्रेशर की जाँच की गई ।

कार्यक्रम में डॉक्टर अरविन्द कुमार सिंह, डॉ अमित कौशिक, डॉ सुमित दीक्षित , डॉ विनीता शुक्ला,, डॉ बीना सचान, डॉ रश्मि कुमारी , डॉक्टर सारा उस्मानी, डॉ मुदित, डॉक्टर अक्षयता , डॉक्टर प्रदीप , डॉ शुभम, डॉ हुदा , डॉ जटाशंकर , डॉक्टर मैरी , मीना जौहरी , निमिशा सोनकर , अभिषेक पांडेय एवं एमबीबीएस के विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

आओ मिलकर अलख जलाएं, शत् प्रतिशत मतदान करायें का आह्वान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। आओ मिलकर अलख जलाएं, शत् प्रतिशत मतदान करायें। यह संकल्प गोमतीनगर विवेक खण्ड 3–4 जनकल्याण समिति की बैठक में नागरिकों द्वारा लिया।

राजेश कुमार अधौलिया ने उपस्थित लोगों को उनके पोलिंग सेंटर, बूथ संख्या, क्रम संख्या आदि के विवरण के सम्बन्ध में जानकारी दी तथा आश्वासन दिया कि वो मतदान के दिवस तक क्षेत्र के सभी वोटरों को जानकारी उपलब्ध कराते रहेंगे ।इस अवसर पर लखनऊ जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष उमा शंकर दुबे ने कहा कि लोकतंत्र में सभी नागरिकों को अपने मताधिकार से अपने मनमाफिक सरकार चुनने का अधिकार मिला हुआ है इसलिए यह सभी का कर्तव्य है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। महासचिव राम कुमार यादव ने मताधिकार के प्रयोग को अनिवार्य बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में भागीदारी निभाने का यह सबसे अच्छा मौका है, जिसे गंवाना नहीं चाहिए।

समिति के सचिव रूप कुमार शर्मा ने कहा कि यदि किसी को मतदान में किसी भी प्रकार की समस्या हो रही हो तो अवगत कराएं, ताकि शासन–प्रशासन के संज्ञान में लाया जा सके तथा अपील की कि लोग वोट डालने जाते समय अपने पड़ोसियों को भी साथ में वोट डालने के लिए ले जायें।

समिति के अध्यक्ष इं वी के मिश्र ने सभी को शपथ दिलाई। निर्वाचन विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता बैठक में क्षेत्र के नागरिकों को मतदाता पर्चियों का वितरण भी किया गया।

बैठक में लखनऊ जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष उमा शंकर दुबे, महासचिव राम कुमार यादव, समिति के अध्यक्ष इं वी के मिश्र, सचिव रूप कुमार शर्मा, संगठन सचिव सुब्रत रॉय, कोषाध्यक्ष वी के पाण्डेय, राजेश कुमार अधौलिया, ए एल केसरवानी, डॉ जे पी मिश्र, के आर गुप्ता, हरीश चंद्र गुप्ता, मनोज कुमार बोस, संदीप कुमार मुखर्जी, आलोक मिश्रा, अमरेन्द्र राय, अर्थ शर्मा, आशुतोष व अन्य गणमान्य नागरिकों के साथ कई महिलाएं भी उपस्थित थीं।

अग्रहरी समाज सम्मेलन में पहुचे गिरीश यादव ने अग्रहरी बंधुओं से भाजपा के पक्ष में वोट की अपील

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर। जिले के व्यवसायी एवं समाजसेवी मनोज अग्रहरी के आवास पर आयोजित अग्रहरी समाज सम्मेलन कार्यक्रम के अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण "राज्य मंत्री" गिरीश चन्द्र यादव उपस्थित हुए और कार्यक्रम में उपस्थित अग्रहरी समाज बंधुओं को सम्बोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट एवं सपोर्ट का आग्रह किया। उक्त मौके पर राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने सरकार द्वारा किए गए जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में उपस्थित अग्रहरी समाज बंधुओं को बताया। साथ ही भाजपा लोकसभा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह ने जनता जनार्दन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुनः एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाने के लिए कमल के निशान पर 25 मई को मतदान करने के लिए अनुरोध किया है। उक्त अवसर पर अग्रहरी पदाधिकारियों में रविन्द्र कुमार अग्रहरी, विनोद अग्रहरी, लक्ष्य गुप्ता, प्रमोद अग्रहरी, शिवम अग्रहरी आदि अग्रहरी बंधुओं की उपस्थिति रही।

वायु सेना के शहीद सैनिक को अंतिम सलामी दी गई

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) वायु सेना में तैनात जवान कमेन्द्र प्रताप सिंह का तिरंगे में लिपटा शव गांव पहुंचा तो हर आंख बरस पड़ी। साथ में वहां पहुंची वायु सेना की टुकड़ी ने नम आंखों से शहीद को अंतिम सलामी दी।

प्राप्त विवरण के अनुसार भटिंडा में तैनात वायु सैनिक कमेन्द्र प्रताप सिंह निवासी जरौआ के शहीद होने की खबर सुन कर हर कोई सन्न रह गया। शनिवार को तिरंगे में लिपटा हुआ शहीद का शव जब उसके गांव पहुंचा तो वहां हर आंख नम हो गई। पत्नी और बच्चो का रो–रो कर बुरा हाल हो गया। हर कोई शहीद कमेन्द्र प्रताप सिंह के बड़े भाई पूर्व सैनिक रामेन्द्र प्रताप सिंह के साथ शहादत को सेल्यूट कर रहे थे। वायु सेना की टुकड़ी ने शहीद को मातमी धुन और शस्त्र उलट कर अंतिम सलामी दी। वहीं पूर्व सैनिक वेलफेयर फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार अग्निहोत्री अपने संगठन के सैनिकों के साथ पहुंचे और सभी ने नम आँखों से शहीद को पुष्पांजलि अर्पित की ।इस मौके पर जन–प्रतिनिधियों के अलावा प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

यदि विकास का है संकल्प, तो वोटिंग ही है एक विकल्प

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। सन्त एस राम इण्टर कालेज ,जानकीपुरम् विस्तार लखनऊ की प्रधानाचार्या मिथलेश कनौजिया उपप्रधानाचार्य अमित बाजपेई समन्वयक नाहिद हसन सभी शिक्षकगण हेमलता वर्मा रीतू बिस्कोय सुनीता तिवारी पूजा शर्मा रूचि शुक्ला अंशिका झा साधना पाण्डेय उमेश प्रताप मौर्या रवि पाण्डेय सुरेश पाल यादव चित्रांशु निगम कुंदन कुमार एवं छात्रध्छात्राएं, सुरक्षा बल के जवानों के साथ सामान्य लोकसभा चुनाव में शत् प्रतिशत मतदान के लिए भव्य मतदाता जागरूकता रैली विद्यालय से रसूलपुर कायस्थ, अजनहर कला, मिर्जापुर चौधरीपुरवा ,जे0पी0 हॉस्पिटल, शुक्ला चौराहा, लोधी चौराहा, मौर्या तिराहा, परीपुस्तक केन्द्र, शौर्य विहार, सरस्वतीपुरम् अटल चौराहा, 60 फिटा रोड, भुइयन देवी मन्दिर, नहर रोड के आस पास की कालोनी में निकाली गई लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया गया। विभिन्न छात्र/छात्राएं श्रद्वा वर्मा, जया सिंह भदौरिया अंशिका वर्मा, सविता राजपूत प्रियंका सिंह, अंकित विश्वकर्मा , अंश सिंह ,पंखुडी यादव, सुप्रिया सिंह अर्चना जायसवाल रितिक मोदी शरद शर्मा आदित्य यादव मंजीत गरिमा राजपूत ने उत्साहपूर्वक विभिन्न नारो का सम्बोधन किया। युवा हो तुम देश की शान। जागो उठो करो मतदान।। लोकतंत्र की पहचान, मत,मतदाता और मतदान। यदि विकास का है संकल्प, तो वोटिंग ही है एक विकल्प। बनो देश के भाग्य विधाता, अब जागो प्यारे मतदाता।

स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यशाला प्रारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
झबरेड़ा, हरिद्वार। राजकीय इंटर कॉलेज लाठर देवा हुन के प्रांगण में नारसन ब्लॉक के स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य की टीम द्वारा स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 6 से 8 तक के बालक तथा बालिकाओं का स्वास्थ्य प्रशिक्षण किया गया इसके अंतर्गत इसके 4DbZ परीक्षण किया गया।

इस स्वास्थ्य परीक्षण में डॉक्टर कुनाल, डॉ गौरी तथा फॉर्मिस्ट राजीव सैनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर एके श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी बालक बालिकाओं को दी तथा स्वास्थ्य के महत्व की भी जानकारी दी

अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्रपाल सिंह, वरिष्ठ प्रवक्ता संदीप वर्मा तथा दिनेश सिंह आदि विद्वान शिक्षकों ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा संचालित योजना की प्रशंसा की।

अंत में डॉक्टर कुनाल तथा फार्मासिस्ट राजीव सैनी ने जानकारी के तहत बताया कि यदि इसमें से किसी बालक बालिका को कोई भी बीमारी पाई जाती है तो उसका मुफ्त इलाज स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जाएगा।

राजनीतिक पार्टियों ने समाजसेवा को बनाया व्यापार – अरुणिमा पाण्डेय

–जनसेवा व महिला सम्मान के लिए ही लड़ रही चुनाव

–प्रचार के अंतिम दिवस प्रत्याशी ने शहरी क्षेत्रों में किया भ्रमण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
गोण्डा। चुनाव प्रचार के अन्तिम दिवस शनिवार को देवीपाटन मंडल मुक्ति मोर्चा से समर्थित प्रत्याशी अरुणिमा पाण्डेय ने महिला समूह के गोण्डा लोकसभा क्षेत्र के नगरीय बस्ती एवं कैसरगंज क्षेत्र में करनैलगंज चकरौत परसपुर सहित कई कस्बों में जनसंपर्क कर प्रमुख कार्यकर्ताओं को मतदान की जिम्मेदारी सौंपी। गोण्डा नगर में भ्रमण के दौरान उन्होंने युवाओं व महिला मतदाताओं से वार्ता करते हुए कहा कि वे पीडित वंचित व गरीब वर्ग की सेवा क्षेत्र विकास एवं महिलाओं का सम्मान व समाज में बराबर की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए गोण्डा व कैसरगंज से चुनाव लड़ रही हैं। समाज सेवा ही उनका राजनीतिक लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि राजनैतिक पार्टियों ने राजनीति को समाजसेवा नही व्यापार बना दिया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार से सामाजिक प्रगति व भाईचारा खोखला हो गया है। भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए केंद्र सरकार को अविलम्ब सांसद व विधायक निधि पर रोक लगा देनी चाहिए। देवीपाटन मंडल मुक्ति मोर्चा के संयोजक व चुनाव प्रतिनिधि राजकुमार पाण्डेय ने बताया कि 20 मई को होने वाले मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओ से समर्पण भाव से चुनाव में डीएमएम प्रत्याशी अरुणिमा पाण्डेय के पक्ष में सक्रिय होने का अनुरोध किया।

प्रत्याशी अरुणिमा पाण्डेय के प्रेम कुमार पाण्डेय, देवनाथ मिश्र , केदार नाथ मिश्र, राघवेन्द्र प्रताप, अखिलेश्वर पाठक, अरुण पाण्डेय, नवदीप पाण्डेय पंकज मिश्र, शैलेन्द्र आदर्श, शिवकुमार , कुसुम मिश्रा अंजली मिश्रा प्रभावती अंकिता आदि जनसंपर्क में सहभागी रहे।

भविष्य का निर्माण करने के लिए रणनीतिक रूप से डिजिटल नवाचार का लाभ उठाना अनिवार्य है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) उत्तर प्रदेश सेंटर, लखनऊ इंजीनियर्स भवन, रिवर बैंक कॉलोनी लखनऊ में षविश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवसष का आयोजन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. नीलम श्रीवास्तव आईईटी लखनऊ ने इस वर्ष के विषय "सतत विकास के लिए डिजिटल नवाचार" पर प्रकाश डाला जिसमे उन्होंने विभिन्न नवाचार परिवर्तनकारी तकनीकों पर चर्चा की जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान देती हैं। सतत विकास लक्ष्य, पर्यावरण उद्योग जैसे विभिन्न आयामों में समाज को बदलना, उद्योगों को नया आकार देने के लिए डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देना और हर जीवन को आरामदायक और सुरक्षित बनाने के लिए स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना मुख्य है। उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ सूचना और संचार प्रोद्योगिकी(आईसीटीएस) का अभिसरण विभिन्न क्षेत्रों में अधिक टिकाऊ प्रथाओं की दिशा में क्रांति ला रहा है! एआई एल्गोरिदम और रिमोट मॉनिटरिंग उपकरणों द्वारा संचालित टेलीमेडिसिन में प्रगति, पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा टेलीमेडिसिन में प्रगति पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा वितरण से जुड़े कार्बन पदचिह्न को कम करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का विस्तार कर रही है। जिससे दूरस्थ परामर्श, निदान और उपचार की सुविधा मिलती है! भौगोलिक बाधाओं पर काबू पाया जाता है और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार होता है, खासकर कम सेवा वाले क्षेत्रों में! इसके अलावा डिजिटल प्लेटफॉर्म शासन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और नागरिक भागीदारी को बढ़ा रहे हैं! जवाबदेही और सामाजिक समानता को बढ़ावा दे रहे हैं! ई–गवर्नेंस पहल नागरिकों को सरकारी सेवाओं और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं तक पहुंच प्रदान करती है, विश्वास और समावेशिता को बढ़ावा देती है, इसके अलावा डेटा एनालिटिक्स और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकियां पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को चला रही हैं। प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता में अंतर्दृष्टि प्रदान करना, जैसा कि हम 2024 का जश्न मना रहे हैं, हितधारकों के लिए वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और सभी श्रमिकों के लिए अधिक टिकाऊ और न्यायसंगत भविष्य का निर्माण करने के लिए रणनीतिक रूप से डिजिटल नवाचार का लाभ उठाना अनिवार्य है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था के अध्यक्ष इंव सत्य प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विषय वस्तु पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आईईआई के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंव वी0 बी0 सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए! कार्यक्रम के संयोजक इंव एन0 के0 निषाद, एससीसी सदस्य एवं संयोजक ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया तथा कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में मानद सचिव इंव वी0 पी0 सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

लखनऊ के 1090 चौराहे पर संपन्न हुआ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट एवं प्रगति इवेंट के तत्वावधान में लखनऊ के 1090 चौराहे पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली के माध्यम से 20 मई 2024 को लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान हो, इसके लिए आज प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट एक उत्कृष्ट स्वपोषी संस्थान है। जनता की जागरूकता के लिए अपने स्थापना के समय से ही विभिन्न क्षेत्रों में समाज के लिए कार्य कर रही है। वृक्षारोपण का कार्यक्रम, सफाई अभियान, महिला सशक्तिकरण ,स्वास्थ्य, शिक्षा और अनेकों क्षेत्र में सरकार के साथ मिलकर अपने दायित्व का निर्वाह करती है। इसी क्रम मे 1090 चौराहे पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संस्था द्वारा

किया गया ।इस अवसर पर सभी आयु वर्ग द्वारा इस कार्यक्रम में भाग लिया गया और कार्यक्रम के माध्यम से अभियान को साकार बनाया गया। उपस्थित जनसमूह द्वारा एक रैली का भी आयोजन किया गया जो 1090 चौराहे से होकर चटोरी गली के रास्ते से एक पूरी परिक्रमा करके पूरे उमंग व्यवस्था के साथ वापस आई।

संस्था के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने इस अवसर पर बताया कि संस्था हर चुनाव में इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करती है जिसमें सभी की भागीदारीऔर सहयोग मिलता है। शासन और पुलिस विभाग द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्राप्त होता है। संस्था के उपाध्यक्ष एनबी सिंह ने उपस्थित सभी लोगों को सहयोग के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में विशेष रूप से मुकेश सिंह, शिखा पटेल, मंजू द्विवेदी, जगदीश नारायण श्रीवास्तव, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, सीमा गुप्ता, प्रिया सिंह, शिवम सिंह एवम सतीश सहित अनेको गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जमीन की रंजिश को लेकर चले लाठी डंडे, सात घायल

गोरखपुर, संवाददाता। थाना क्षेत्र के बजहा उर्फ अहिरौली गांव में जमीनी रंजिश को लेकर पटीदारों के बीच लाठी और डंडे चलने लगे। इस दौरान दोनों पक्षों के सात लोग घायल हो गए। सभी घायलों को लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल में भर्ती कराया गया। जहां पर दो घायलों की हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। बजहा उर्फ अहिरौली गांव में दो पटीदारों के बीच पट्टे की जमीन को लेकर कहासुनी हो रही थी। कुछ ही देर बाद दोनों के बीच बात आगे बढ़ गई।

इसके बाद दोनों पटीदार आक्रोशित होकर एक दूसरे पर लाठी डंडों के साथ टूट पड़े। मारपीट में दोनों पक्षों के लक्ष्मण (40) चंद्रभान (65) पिंटू (24) राबड़ी देवी (55) रामनीति (28) सरोज देवी (40) और राजेश (46) समेत सात लोग घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टरों ने घायल लक्ष्मण और चंद्रभान की हालत नाजुक देख प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं घटना के दौरान पड़ोस में काफी देर तक अफरा–तफरी मची रही। थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह ने कहा की मामले में दोनों पक्षों से मारपीट की तहरीर मिली है। पुलिस टीम घटना की जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व पार्षद के पुत्र से कर्ज लेकर 6.83 लाख हड़पे

गोरखपुर, संवाददाता। शाहपुर इलाके के पूर्व पार्षद के बेटे से जमीन कारोबारी ने तीन महीने के लिए 6.83 लाख रुपये कर्ज लेकर हड़प लिए। पीड़ित के काफी भाग–दौड़ करने के बाद भी चार साल तक रुपये न मिलने पर एसएसपी से गुहार लगाई। उनके निर्देश पर शाहपुर पुलिस बुधवार को मोहनापुर निवासी प्रमोद पासवान और चार–पांच अज्ञात पर केस दर्ज कर जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के जेल बाईपास रोड स्थित सरस्वतीपुरम कॉलोनी निवासी पूर्व पार्षद स्व. मोहम्मद वाहिद के पुत्र संजूम आरिफ ने एसएसपी को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि 2019 में शाहपुर के मोहनापुर निवासी प्रमोद पासवान को अलग–अलग तिथियों में 6.83 लाख रुपये तीन महीने के लिए कर्ज दिया था।

आरोप है कि पिछले महीने रुपये देने के लिए आरोपी ने पादरी बाजार स्थित मनोहर चौराहे के पास बुलाया। वहां पहुंचे तो आरोपी ने अपने चार–पांच साथियों के साथ जान मारने की धमकी देते हुए घेर लिया।

विश्वनाथ धाम में विदेशी - दो साल में काशी पहुचे 139 देशों के भक्त

वाराणसी, संवाददाता। विदेशी सैलानी काशी के मंदिरों, धरोहर और संस्कृति को देखने ही नहीं आते, बल्कि काशी को जीने भी आते हैं। स्वर्णमयी काशी विश्वनाथ धाम का आकर्षण सात समंदर पार के सनातन धर्मियों में भी है। यही कारण है कि पिछले दो साल में 139 देशों के शिवभक्तों ने बाबा के दरबार में दर्शन–पूजन किया है। धर्म, अध्यात्म और संस्कृति को जानने के लिए सात समंदर पार से काशी आने वाले विदेशी पर्यटकों का सिलसिला लंबे समय से बना हुआ है। नव्य भव्य श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के विस्तारित होने के बाद धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के देशों के भक्तों की संख्या बढ़ गई है। बड़ी संख्या में सैलानी श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करने भी बनारस पहुंच रहे हैं। मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि धाम के

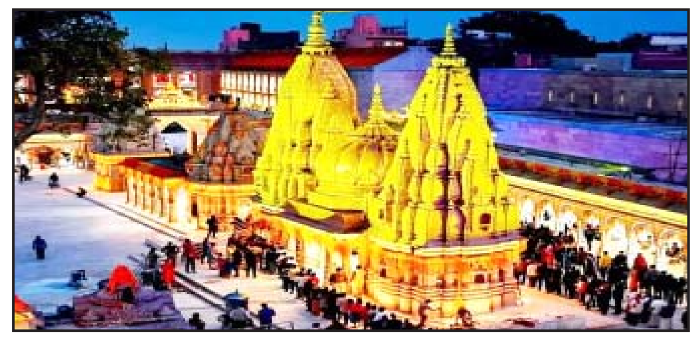

लोकार्पण के बाद लगभग 25 महीनों में बाबा के दरबार में 139 देशों के भक्तों ने हाजिरी लगाई है। वर्ष 2019 के मुकाबले वर्ष 2023 में केवल श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या में ही चार गुने से भी अधिक की वृद्धि हुई है।

काशी को जीने आते हैं विदेशी

विदेशी सैलानी मंदिरों, धरोहर और संस्कृति को देखने ही नहीं आते, बल्कि काशी को जीने भी आते हैं। विदेशी पर्यटक हिंदी, संस्कृत, संगीत और मंत्रों को सीखने के लिए काशी में कई दिनों तक रहते भी हैं। काशी की दुनिया से अच्छी कनेक्टिविटी, सुरक्षा, मूल–भूत ढांचा में सुधार से बढ़ी सुविधाओं ने काशी में पर्यटकों का रुझान और बढ़ा दिया है। अनेक गैर सनातन मतावलंबी काशी आते हैं, परंतु मंदिर में दर्शन के लिए नहीं जाते हैं। बड़ी संख्या में सारनाथ होते हुए बौद्ध परिपथ के विदेशी पर्यटक, तंत्र, शाक्त, क्रिया योग, जैन, अघोरपंथ के बड़े आश्रमों एवं साधना स्थलों पर पहुंचते हैं।

रिजल्ट में नहीं हुआ सुधार, विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शन

गोरखपुर, संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को एलएलबी के विद्यार्थियों ने कुलपति कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उनकी मांग थी कि पांचवें सेमेस्टर के जिस विषय में कम अंक मिले हैं, उसकी कॉपियों को जल्द री–चेकिंग कर संशोधित परिणाम जारी किया जाए। करीब डेढ घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने उनसे मुलाकात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि दो से तीन दिन में संशोधित परिणाम जारी कर दिए जाएंगे। एलएलबी के विद्यार्थियों ने कम अंक आने पर दो मई को भी प्रदर्शन किया था। इनका आरोप था कि एलएलबी 302 लॉ ऑफ एविडेंस विषय में ज्यादातर विद्यार्थियों का लिखित परीक्षा का अंक नहीं चढ़ा है। केवल मौखिकी के अंक देकर परिणाम जारी कर दिए गए हैं। इसके बाद जो अंक नहीं चढ़े थे उसे ठीक कर दिया गया लेकिन विद्यार्थियों का यह भी कहना था कि उन्हें उस विषय में जान बूझकर कम अंक दिया गया है। इससे बहुत से विद्यार्थियों का बैक लगा है। बाद में कुलपति ने छात्रहित में इसकी जांच के लिए कमेटी बना दी। अब इनके छठवें सेमेस्टर की परीक्षा कुछ ही दिनों में शुरू होने वाली है। ऐसे में विद्यार्थियों को चिंता है कि अगर उनका रिजल्ट ठीक नहीं हुआ तो उनका एक साल बर्बाद हो जाएगा। यह समस्या विश्वविद्यालय परिसर के साथ ही अन्य कॉलेजों में भी है।

प्रॉक्टर से हो गई नोकझोंक

11 बजे विद्यार्थी प्रदर्शन करने कुलपति कार्यालय पर पहुंच गए। मुख्य नियंता प्रो. सतीश चंद्र पांडेय भी तत्काल वहां पहुंचे और विद्यार्थियों की समस्या सुनने लगे। विद्यार्थियों की मांग थी कि उनको जल्द कुलपति से मिलवाया जाए। इसमें थोड़ी देर हुई तो विद्यार्थियों और चीफ प्रॉक्टर में थोड़ी नोकझोंक भी हो गई। शिक्षकों और कर्मचारियों के समझाने के बाद मामला शांत हुआ।

करंट लगने से दिव्यांग महिला की मौत हो गई

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी के चौबेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मिल्कोपुर में घर की दिवार में लगे बिजली बोर्ड से मोबाइल चार्जर निकालते समय उसमें उतरे करंट से दिव्यांग महिला सीमा चौहान (32) पत्नी डब्लू की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका और उसके पति दोनों दिव्यांग हैं। शुक्रवार को प्रातः काल 7 बजे मृतका घर की दीवार में लगे बिजली के बोर्ड में मोबाइल चार्ज कर रही थी। जैसे ही वह मोबाइल निकालने के लिए चार्जर पर हाथ लगाया वह उसी में सट गई। जब तक घर वाले मामले को समझ पाए तब तक उसकी मौत हो गई थी।

जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया। घटना के बारे में मृतका के भाई राजकुमार ने चौबेपुर थाने पर लिखित तहरीर दी सूचना पर चौकी प्रभारी चिरईगाव पंकज कुमार राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।उन्होंने शव को पंचायतनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के दिव्यांग पति चार भाइयों में दूसरे नंबर पर है। वह गांव में ही चाय–पान की दुकान कर जीविकोपार्जन करता है। उसके पास पत्नी के अलावा एक पुत्री 11 वर्ष व एक पुत्र 8 वर्ष का है।

भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर पर दर्ज मुकदमे की चार्जशीट पर नए सिरे से आदेश करें पारित

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद और पीस पार्टी के डॉ.अयूब के खिलाफ दर्ज मुकदमे की चार्जशीट पर सीजेएम संत कबीर नगर की ओर से संज्ञान लेने का मामला नए सिरे से तय करने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह कर रहे हैं। सीजेएम की ओर से चार्जशीट पर एक वर्ष बाद संज्ञान लेने पर हाईकोर्ट में यह कहते हुए चुनौती दी गई कि यह मियाद बाधित है। इससे पूर्व हाईकोर्ट ने सीजेएम के क्लर्क की ओर से चार्जशीट बार–बार अस्वीकार करने पर कोर्ट ने जिला जज संत कबीर नगर से जवाब मांगा था। कहा था कि बताएं किन परिस्थितियों में क्लर्क ने चार्जशीट स्वीकार नहीं की। कोर्ट के आदेश पर जिला जज ने रिपोर्ट दाखिल की। वहीं, सीजेएम के क्लार्क ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चार्जशीट उसी दिन स्वीकार कर ली गई, जिस दिन थाने का पैरोकार इसे लेकर आया था। अपर शासकीय अधिवक्ता विकास सहाय ने कहा कि चार्जशीट दाखिल करने और इस पर संज्ञान लेने में देरी को लेकर दस्तावेजों पर पर्याप्त आधार मौजूद हैं। इसलिए इस पर विचार कर सीजेएम कोर्ट को सीआरपीसी की धारा 473 के तहत विलंब माफ करने की शक्ति प्राप्त है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की सहमति पर प्रकरण को सीजेएम संत कबीर नगर को यह कहते हुए वापस कर दिया कि वह मामले में नए सिरे से आदेश पारित करें। याची के अधिवक्ता का कहना था कि डॉ.अयूब और चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ पुलिस ने आपदा अधिनियम और महामारी अधिनियम व अन्य के तहत 21 फरवरी 2022 को मुकदमा दर्ज किया था। अदालत ने चार्जशीट दाखिल होने के एक साल पांच माह 20 दिन बाद संज्ञान लिया। वहीं, नियमानुसार छह माह में चार्जशीट पर संज्ञान ले लिया जाना चाहिए। ऐसे में सीजेएम द्वारा लिया गया संज्ञान सीआरपीसी के प्रावधानों के अनुसार मियाद बाधित है। इस पर कोर्ट ने जिला जज संत कबीर नगर से रिपोर्ट मांगी थी।

चौहद्दी छिपाकर धंधेबाजों ने बेच दी अनुसूचित जाति की बेशकीमती जमीन

गोरखपुर, संवाददाता। सदर तहसील परिसर में जमीन के धंधेबाजों ने जालसाजी का नया पैंतरा अपनाया है। ये धंधेबाज अनुसूचित जाति की जमीन को डीएम से अनुमति लिए बिना गैर अनुसूचित जाति के लोगों को बेच दे रहे हैं। रजिस्ट्री के समय मामला पकड़ में न आए, इसके लिए बड़ी चालाकी से जाति के साथ चौहद्दी भी बदल दे रहे हैं। ऐसा करने के पीछे उनकी मंशा है कि अगर पोल खुले और संपत्ति सरकार के पक्ष में जब जब्त हो तो उस दौरान गलत चौहद्दी के चलते दूसरे की संपत्ति ही सरकार के कब्जे में जाए। चौहद्दी बदलने की शिकायत पर जांच में इस पूरे खेल का खुलासा हुआ है। अब तक चार मामले पकड़े जा चुके हैं, जिसके बाद हड़कंप मच गया है। शहर की कीमती जमीनों की अच्छी कीमत के लिए धंधेबाज, अनुसूचित जाति के लोगों से सांठगांठ कर उसे गैर अनुसूचित जाति के लोगों को बेच रहे हैं। दाखिल–खारिज के समय अगर आपत्ति आई तो मामला पकड़ में आएगा, वरना गलत तरीके से जमीन खरीदने वाले बाद में फंसेंगे। राजस्व संहिता की धारा 98 के अनुसार, यदि अनुसूचित जाति के व्यक्ति बिना डीएम की अनुमति के अपनी जमीन गैर अनुसूचित जाति के क्रेता को बेचता है और जांच में यह साबित होता है तो संपत्ति राज्य सरकार की हो जाएगी, जबकि दस्तावेज भी शून्य घोषित हो जाएगा। रजिस्ट्री कार्यालय से तहसील कार्यालयों में इस प्रकार के कई मामले पकड़ में आ चुके हैं। चौहद्दी बदलने की खबर पर दाखिल हुई आपत्ति

शहर के महेवा मुस्तकिल के रवींद्र नाथ सिंह एवं सलिल गिरि ने आपत्ति दाखिल की कि एक अनुसूचित जाति के व्यक्ति ने निषाद जाति दर्शाकर अपनी जमीन बेच दी है, लेकिन उन्होंने जो जमीन की चौहद्दी दी है, उसमें उनकी जमीन नहीं है। बैनामा के बाद दाखिल खारिज की जांच हुई तो लेखपाल की जांच में विक्रेता अनुसूचित जाति का निकला। दस्तावेज के अनुसार, अनुसूचित जाति की प्रभावती देवी ने 21 जुलाई 2022 को नम्रता सिंह व अवध नारायण ओझा को जमीन बेची है, जबकि इसके पहले ही इसी खतौनी में अनुसूचित जाति के जगदीश ने कंचन मिश्रा को जमीन बेची थी। इस मामले में नायब तहसीलदार खोराबार ने 22 नवंबर 2023 को एसडीएम न्यायालय में जांच रिपोर्ट भेज दी है।

कैंट पर अवैध पर्ची काटते समय नगर आयुक्त ने पकड़ा

वाराणसी, संवाददाता। वाहन स्टैंडों पर अवैध पर्ची की शिकायत पर नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने कैंट स्टेशन पर छापा मारा। फ्लाईओवर के नीचे ई–रिक्शा चार्जिंग स्टेशन पर संचालक रमाशंकर पांडेय के नाम से छपी अवैध पर्ची पर 10 और 15 रुपये शुल्क लिखा था। पर्ची पर न तो क्रमांक था और न ही नगर निगम की अधिकृत मुहर लगी थी। केवल नगर निगम वाराणसी लिखा था। नगर निगम की ओर से आवंटित स्टैंडों से एमपास डिवाइस से शुल्क लेने का आदेश जारी है। जांच के बाद सभी पर्चियां जब्त कर ली गई हैं। राजस्व विभाग ने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके बाद सहायक नगर आयुक्त अनिल यादव ने दुर्गाकुंड स्थित स्टैंड की जांच की। यहां भी अवैध रूप से पर्ची काटकर वसूली की जा रही थी। उन्होंने पर्ची जब्त कर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

कृषक एक्सप्रेस की चपेट में आने से रिटायर्ड सेना जवान की मौत

गोरखपुर, संवाददाता। कृषक एक्सप्रेस की चपेट में आने से शुक्रवार सुबह सेना के रिटायर्ड जवान की मौत हो गई। हादसा भटनी बाजार से घर जाते समय सिसवा रेलवे क्रासिंग के समीप हुआ। घटना के बाद परिवार में चीख–पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई। हालांकि परिजनों के इंकार के बाद शव का पोस्टमार्टम नही कराया गया। भटनी के जिरासो गांव निवासी शेषनाथ यादव (58) थल सेना से सेवानिवृत्त होकर पुरनाछापर स्थित विद्युत उपकेंद्र पर सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी करते थे। शुक्रवार सुबह वह किसी काम से भटनी में आये थे। घर जाते समय वह सिसवा रेलवे क्रासिंग के पास देवरिया की तरफ से आ रही कृषक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव का शिनाख्त कराई गई। जानकारी पर मृतक के परिवार में चीख–पुकार मच गई। मृतक के तीन संतानों में दो बेटे पंकज उर्फ पिंटू यादव यूपी पुलिस में और प्रदीप यादव वायुसेना में कार्यरत हैं। जबकि बेटी की शादी हो गई है। शेषनाथ की पत्नी का निधन दो माह पूर्व हुआ था। सीओ भाटपाररानी शिव प्रताप सिंह ने बताया कि ट्रेन की चपेट में आने से जवान की मौत हुई है। परिजनों के पोस्टमार्टम से इन्कार के बाद शव को सुपुर्द कर दिया गया है।

सभी देशों में सबसे सस्ती हजयात्रा करवा रहा है भारत

वाराणसी, संवाददाता। राष्ट्रीय हज कमेटी के चेयरमैन एपी अब्दुल्ला कुट्टी ने कहा कि सारी दुनिया के अंदर भारत ही एक धर्म स्वतंत्र देश है जो सबसे सस्ती हज यात्रा करा रहा है। आज देश का ऐसा माहौल है कि मुसलमानों को राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है। वह विशाल भारत संस्थान और मुस्लिम महिला फाउंडेशन की ओर से राष्ट्र निर्माण में मुस्लिमों की भूमिका विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। लमही के सुभाष भवन में आयोजित संगोष्ठी में चेयरमैन ने कहा कि इस देश के मुसलमानों में राष्ट्रवाद की भावना को जागृत किया जा रहा है। इस देश के हिंदू और मुसलमानों का डीएनए एक है। अध्यक्षता कर रहे विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव श्रीगुरु ने कहा कि भारत में हिंदू मुस्लिम संबंधों को मधुर बनाने के लिए संवाद सबसे बेहतर माध्यम है। हिंदू और मुसलमान की दूरियों को कम करने के लिए संवाद के माध्यम से राष्ट्रवाद की अलख जगाई जा सकती है। हम काशी से केरल तक राष्ट्रवाद का आंदोलन चलाएंगे। जौनपुर के सामाजिक कार्यकर्ता संदीप सिंह ने भी विचार रखे। संचालन डॉ. नजमा परवीन ने किया। इस अवसर पर नाजनीन अंसारी, डॉ. अर्चना भारत वंशी, डॉ. मृदुला जाय सवाल, आभा भारतवंशी, खुर्शीदा बानो, चंदा बीबी उपस्थित रहे।

अवैध ढंग से भेजा जाता था विदेश, संचालक पर केस दर्ज

गोरखपुर, संवाददाता। ग्लोबल बिल्डिंग ट्रेनिंग टेस्ट सेंटर कार्यालय सिंघड़िया, से विदेश भेजने के नाम पर बेरोजगारों से ठगी करने का मामला खुलकर सामने आ गया है। विनय द्वारा एसएसपी से की गई शिकायत पर बुधवार को पुलिस ने सेंटर के कार्यालय पर छापा मारकर पासपोर्ट, नकदी समेत अन्य सामान बरामद करने के बाद बृहस्पतिवार को कैंट थाने में केस दर्ज किया। पुलिस ने एजेंसी के संचालक मूल रूप से झंगहा के अमहिया निवासी व वर्तमान में आवास विकास कॉलोनी कुनराघाट के रहने वाले अरुण सिंह के बेटे सविता नन्द उर्फ सन्नी सिंह को नामजद किया है। पुलिस की प्रथम दृष्टया जांच में अवैध रूप से पासपोर्ट रखने सहित अन्य कई बिंदुओं पर खामियां मिलीं हैं। पुलिस के अनुसार दर्ज केस में सात साल से कम की सजा है। लिहाजा किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस अब जब्त किए गए पासपोर्ट धारकों से पूछताछ करेगी। अगर उनमें से किसी ने शिकायत की तो केस में जांच के बाद धारा बढ़ाई जाएगी। वादी विनय ने पुलिस को बताया है कि मुंबई की एक कंपनी के माध्यम से कजाकिस्तान गया था। मंगलवार को पीड़ित ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर फर्जी ढंग से लोगों से मेडिकल जांच कराने के नाम पर रुपया लेकर, पासपोर्ट जमा कराकर विदेश भेजने का काम करने का शिकायत की गई थी। आरोप लगाया कि विदेश भेजने के बाद जिस पद पर कहा जाता है उस पद पर नौकरी नहीं मिलती है। एसएसपी ने कार्रवाई कि जिम्मेदारी एसपी सिटी को सौंपी। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देश पर एएसपी आलोक भाटी के नेतृत्व में एसओजी और गोलघर चौकी पुलिस बुधवार को एजेंसी के कार्यालय पर तीन घंटे तक छानबीन की थी।

397 पासपोर्ट और 3.89 लाख हुआ बरामद

पुलिस ने एजेंसी के कार्यालय पर छानबीन के बाद 397 पासपोर्ट, 3.89 लाख रुपये, 400 मेडिकल फार्म, तीन लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन, 550 भिन्न–भिन्न एप्लिकेशन फार्म, दो बैंक चेक और एक हार्डडिस्क बरामद किया।ग्लोबल कंपनी का मालिक झंगहा के अमहिया निवासी अरविंद व अरुण दोनों भाई हैं। छह साल पहले गैर कानूनी रूप से ईरान की एक कंपनी के लिए इंटरव्यू लेने के मामले में एसटीएफ ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

पिकअप ने बाइक को रौंदा, कमाऊ बेटे की गई जान

मऊ, संवाददाता। बलिया जिले के भीमपुरा थाना क्षेत्र के सबदलपुर चट्टी पर बेकाबू एक पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक चला रहा युवक जो कि रामपुर थाना क्षेत्र के बहादूरपुर गांव निवासी था, उसकी इस हादसे में मौत हो गई। जबकि सवार दूसरा युवक घायल हो गया। घटना के समय वह अपने साथी के साथ फूफा के घर जा रहा था। रामपुर थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव निवासी राजकुमार मजदूरी कर अपने परिवार का भरण–पोषण करता था। गुरुवार की देर शाम वह बाइक से अपने साथी रिशू के साथ बलिया में अपने फूफा के घर जा रहा था। अभी वह भीमपुरा थाना क्षेत्र के सबदलपुर चट्टी के पास पहुंचा था। इस बीच वह किसी कारण से बाइक को खड़ाकरआपस में बात कर रहे थे कि बेकाबू पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के समय सिर में हेलमेट न पहनने से राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया, जहां उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा साथी रिशू गंभीर रूप से घायल हो गया।

3000 लोगों से 50 करोड़ की ठगी, 8 के खिलाफ एफआईआर

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी में एक प्राइवेट कंपनी खोलकर लोगों से करोड़ों की ठगी की गई है। क्रिप्टोकरेंसी की कंपनी ने जिले में लगभग 3000 लोगों को 50 करोड़ का चूना लगाया है। कंपनी ने पहले इन लोगों से डिजिटल करेंसी की खरीदारी करवाई। बाद में करेंसी में घाटा दिखाकर कंपनी को बंद कर दिया। भुक्तभोगियों ने इसकी शिकायत साइबर क्राइम प्रभारी से की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, राजू कुमार पुत्र सन्तोष कुमार गोंड निवासी जलालपुर, कमालपुर (चन्दौली), आशुतोष कुमार पुत्र काशी प्रसाद और अर्जुन पटेल पुत्र रामबाबू पटेल निवासी रामपुर, सगरा, रामनगर (वाराणसी) हर्ष गुप्ता पुत्र दीपक चन्द्र गुप्ता निवासी सुल्तानपुर, रामनगर, (वाराणसी) एवं अंशु सिंह पटेल पुत्र सोती सिंह निवासी पटनवा, जीवनाथपुर (चन्दौली) ठगी के शिकार हुए हैं। पत्र के अनुसार, कम्पनी ठॅन्क ळस्व्ठ ।स- में अपना व अन्य कई लोगों (तीन हजार लोगों) का कई करोड़ों रुपया नगद व आनलाइन निवेश किया व करवाया था। इस फर्जीवाड़ा में शामिल कई लोग का शामिल है। इन सभी लोगों को प्रार्थीगणों ने करोड़ों रुपया नकद व ऑनलाइन ट्रान्जेक्शन के रुप में दिया, जिसमें 1.5 करोड़ रुपया आनलाईन जिसका डिटेल लगा है। लगभग 15 करोड़ रुपये नगद नवनीत सिंह को दिया गया है तथा अन्य बाकी ऑनलाईन ट्रान्जेक्शन की जानकारी निकाली जा रही है। ज्यादातर रुपया प्रार्थीगणों से दबाव बनाकर नकद लिया गया व कहा गया कि आप हम लोगों पर विश्वास करके लोगों से पैसा लगवाइए, क्योंकि हम सभी लोग यहीं के मूल निवासी हैं तथा हम लोग आपको पैसा तीन गुना करके 600 दिन में वापस दे देंगे।

साक्ष्य होने के बावजूद बगैर विभागीय जांच बर्खास्तगी अवैधानिक, दरोगा की बर्खास्तगी रद्द

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रिश्वत लेने के आरोपी दरोगा की बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर बहाली का आदेश

दिया है। कोर्ट ने कहा कि उप्र अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दंड एवं अपील) नियमावली 1991 के नियम 8 (2) (बी) के प्रावधानों के तहत आरोपों के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य होने के बावजूद बगैर विभागीय कार्यवाही के पुलिसकर्मी को बर्खास्त किया जाना गैरकानूनी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय की एकल पीठ ने गौतमबुद्ध नगर के ईकोटेक थाने में तैनाती के दौरान रिश्वत लेने के आरोपी दरोगा गुलाब सिंह की ओर से बर्खास्तगी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को स्वीकार करते हुए दिया। याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम ने बताया कि याची पर आरोप था कि उसने एक मुकदमे की विवेचना के दौरान प्रकाश में आए आरोपी राजीव सरदाना से सार्वजनिक रूप से चार लाख रुपये रिश्वत ले रहे थे। भ्रष्टाचार निरोधक दस्ते ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफ आई आर दर्ज कर उसे जेल भेजा गया था। जमानत मंजूर होने के बाद वह बीते 12 मार्च को जेल से रिहा हुआ। गिरफ्तारी के दिन ही याची को यह कहते हुए बर्खास्त कर दिया गया कि उसे सार्वजानिक स्थान पर चार लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।